उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र
सच का साथी.......

बी पी एस न्यूज़

www.bpsnews.in
(वर्ष-7 अंक -57) पृष्ठ 8 मूल्य 2/रुपया
सोमवार 13 मार्च , 2023

अतीक के भाई की बढ़ीं मुश्किलें, पुलिस ने जेल में लगाई पाबंदी

होली खेले रूघुवीरा पर जमकर थिरके युवक

रंगों का त्योहार, खेली जाती है मरी और जिंदा होली

दांडी मार्च को अन्याय के खिलाफ दृढ़ प्रयास के रूप में याद रखा जाएगा:मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को ऐतिहासिक 'दांडी मार्च की वर्षगांठ पर महात्मा गांधी तथा इसमें भाग लेने वाले अन्य लोगों को श्रद्धांजलि दीं और कहा कि इसे विभिन्न प्रकार के अन्याय के खिलाफ दृढ़ प्रयास के तौर पर याद रखा जाएगा। नमक सत्याग्रह को 1930 के दांडी मार्च के नाम से भी जाना जाता है और यह भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में एक ऐतिहासिक घटना है। ब्रिटिश शासन के विरुद्ध सविनय अवज्ञा आंदोलन के तहत गांधी के नेतृत्व में 'सत्याग्रहियों% ने 12 मार्च- पांच अप्रैल 1930 के दौरान अहमदाबाद के साबरमती आश्रम से तटीय गांव डांडी तक की यात्रा की थी और ब्रिटिश सरकार के नमक कानून का उल्लंघन करते हुए समुद्री पानी से नमक बनाया था। मोदी ने ट्वीट किया, 'मैं बापू और दांडी मार्च में भाग लेने वाले अन्य सभी लोगों को श्रद्धांजलि देता हूं। यह हमारे देश के इतिहास में एक महत्वपूर्ण घटना थी।% प्रधानमंत्री ने कहा कि इसे विभिन्न प्रकार के अन्याय के खिलाफ एक दृढ़ प्रयास के रूप में याद रखा जाएगा।

पाक-चीन ने उकसाया तो सैन्य कार्रवाई से नहीं चूकेगा भारत

वॉशिंगटन. अमरीका सरकार की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत का पाकिस्तान तथा चीन के साथ तनाव बढने की आशंका है। अमरीकी खुफिया विभाग की सालाना आंकलन रिपोर्ट के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की ओर से पाकिस्तानी उकसावों का सैन्य बल के साथ जवाब देने के पहले की तुलना में आसार अधिक हैं। भारत और चीन सीमा के विवादित हिस्से पर बढ़ती सैन्य गतिविधियों से दोनों परमाणु ताकतों के बीच सशस्त्र टकराव का जोखिम बढ़ रहा है।इस रिपोर्ट को अमरीकी कांग्रेस के समक्ष पेश किया गया है। इसमें कहा गया कि मोदी के नेतृत्व में भारत पाकिस्तान से निपटने

में उदारता से पेश नहीं आएगा। रिपोर्ट में उन जोखिमों का जिक्रकिया गया है, जो इस साल अमरीकी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए चिंता बढ़ा सकते हैं। इसमें भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष बढने के साथ-साथ, चीन, यूक्रेन और रूस के अलावा जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों को भी शामिल किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया कि सीमा पर भारत और चीन का सैन्य विस्तार अमरीका के हितों के लिए सीधा खतरा हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत और पाकिस्तान के बीच संकट दो परमाणु-सशस्त्र देशों के बीच बढ़ते सर्किल के जोखिम के कारण विशेष चिंता का विषय है। कश्मीर में अशांति या भारत में एक आतंकी हमला संभावित फ्लैशपॉइंट हो सकता है।

आतंकवादी समूहों पर अंकुश लगाना जरूरी

अमरीकी विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा कि अमरीका-पाकिस्तान आतंकवाद रोधी संवाद आतंकी खतरों और हिंसक उग्रवाद का मुकाबला करने के लिए अमरीका को पाकिस्तान के साथ काम करने की इच्छा व्यक्त करने का मौका देता है।

क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए खतरों का मुकाबला करने में हमारा साझा हित है। आतंकवाद से मुक्त स्थिर और सुरक्षित दक्षिण और मध्य एशिया का लक्ष्य काफी हद तक पाकिस्तान के साथ हमारी साझेदारी की ताकत पर निर्भर करता है। क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता को खतरा पैदा करने वाले सभी आतंकवादी समूहों का मुकाबला करने के लिए हम एक साथ कदम उठा सकते हैं।

भारत-पाक में 70 साल से कटुता

1. रिपोर्ट में कहा गया कि भारत और पाकिस्तान के बीच कटुता भरे रिश्तों का इतिहास सत्तर साल लंबा है। दोनों देशों के बीच तीन हजार किलोमीटर से लंबी सीमा है। दोनों के बीच अब तक तीन बार युद्ध हो चुके हैं। दोनों देश एक-दूसरे पर अपने आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप और चरमपंथ को बढ़ावा देने का आरोप लगाते रहे हैं। हाल ही संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में दोनों देशों के बीच तल्ख बयानबाजी हुई थी।

संसद बजट सत्र का दूसरा चरण सोमवार से होगा शुरू, लोकसभा-राज्यसभा में हंगामे के आसार, विपक्ष तैयार

नई दिल्ली। संसद बजट सत्र का दूसरा चरण सोमवार 13 मार्च से शुरू होने जा रहा है। बजट सत्र का दूसरा चरण हंगामेदार होने की सौ फीसद संभावना है। पहले चरण के एक माह तक सत्ता और विपक्ष पक्ष के रिश्तों में खटास आ चुकी है। तो नाराज विपक्ष सत्ता पक्ष पर हमले के लिए अपने कील कांटें तेज कर बैठा है। पर सत्ता पक्ष विपक्ष के हर सवाल का जवाब देने के लिए तैयारियां कर रही है। राज्य सभा की कार्यवाही सुचारू ढंग से चलाने में सभी दलों से सहयोग की अपील के लिए उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ ने रविवार को सर्वदलीय बैठक भी बुलाई है। पर सदन की कार्यवाही सुचारू ढंग से चलने की संभावना बहुत कम ही नजर आ रही है। संसद बजट सत्र का दूसरा चरण 6 अप्रैल तक चलने की संभावना है।

राज्य सभा 13 मार्च तक स्थगित

बजट सत्र के पहले चरण के आखिरी दिन 13 फरवरी को भी लोक सभा की कार्यवाही तो दिनभर सुचारू रूप से चली थी, लेकिन राज्य सभा में आखिरी दिन भी हंगामा जारी रहा। जिसके कारण राज्य सभा के सभापति धनखड़ को सदन की कार्यवाही 13 मार्च तक स्थगित करनी पड़ी थी।

पहले चरण में हुआ था जमकर हंगामा

बजट सत्र के पहले चरण में विपक्षी दलों ने अदाणी को लेकर आई हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को लेकर संसद के दोनों सदनों लोक सभा और राज्य सभा में जमकर हंगामा किया था। लोक सभा में विपक्षी दलों के हंगामे के बावजूद कुछ कामकाज तो हुआ लेकिन राज्य सभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच गतिरोध लगातार जारी रहा।

बंगाल में 10 हजार से अधिक बच्चे हुए संक्रमित

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में दिन-ब-दिन तेजी से फैल रहे एडेनोवायरस के खतरे को देखते हुए राज्य सरकार ने शनिवार को स्थिति की निगरानी के लिए आठ सदस्यीय टास्क फोर्स के गठन की घोषणा की। राज्य सचिवालय द्वारा शनिवार शाम को जारी अधिसूचना के अनुसार, आठ सदस्यीय टास्क फोर्स का नेतृत्व मुख्य सचिव एच.के. द्विवेदी करेंगे। टास्क फोर्स के अन्य सदस्यों में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के मुख्य सलाहकार अल्पन बंद्योपाध्याय, स्वास्थ्य सचिव एन.एस. निगम, महिला एवं बाल विकास विभाग सचिव संघमित्रा घोष, स्वास्थ्य सेवा निदेशक सिद्धार्थ नियोगी और चिकित्सा शिक्षा निदेशक देबाशीष भट्टाचार्य।

दो डॉक्टरों ङ्क सुकुमार मुखर्जी और गोपाल कृष्ण ढाली को भी टास्क फोर्स में शामिल किया गया है। राज्य सरकार की एक अधिसूचना में कहा गया है, टास्क फोर्स नियमित अंतराल पर बैठक करेगी और विभिन्न अस्पतालों में प्रभावित व्यक्तियों के इलाज की व्यवस्था और बीमारी को नियंत्रित करने से संबंधित अन्य पहलुओं की निगरानी करेगी। राज्य सरकार ने कहा कि एडेनोवायरस से संबंधित लक्षणों वाले अस्पतालों में भर्ती बच्चों की कुल संख्या शनिवार को 19 पर स्थिर रही, जिनमें से 13 को अन्य बीमारियां थीं ।हालांकि, गैर-सरकारी आंकड़े मरने वालों के आंकड़े इससे कहीं ज्यादा होने का दावा कर रहे हैं। राज्य सरकार के आंकड़ों के अनुसार, अब तक राज्यभर के 10,999 बच्चों को तीव्र श्वसन संक्रमण के मामलों के साथ अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। अधिसूचना में राज्य सरकार ने यह भी दावा किया कि सभी चिकित्सा प्रतिष्ठानों को एक मानक मामला प्रबंधन दिशानिर्देश प्रसारित किया गया है और 24 गुणा 7 आधार पर स्थिति की निगरानी के लिए नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए हैं।

बंगाल में एक बार फिर वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव, खिड़की के शीशे टूटे

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में वंदे भारत ट्रेन में तोड़फोड़ की एक और घटना में, राज्य के मुर्शिदाबाद जिले में सेमी-हाई स्पीड एक्सप्रेस ट्रेन पर पथराव किया गया, जिसमें 11 मार्च को बदमाशों द्वारा ट्रेन के डिब्बों के कई पैनल तोड़ दिए गए। घटना कल शाम करीब सात बजे फरक्का ब्रिज इलाके के पास हुई जब ट्रेन न्यू जलपाईगुड़ी से हावड़ा आ रही थी। फ्रयह एक बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। इसकी जांच की जाएगी।'

ष्13 कोच में यात्रा कर रहे यात्रियों ने कहा कि वे डरे हुए थे क्योंकि ट्रेन पर कई पत्थर फेंके गए थे। पश्चिम रेलवे के सीपीआरओ कौशिक मित्रा ने कहा कि घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। राज्य और भारत में वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव की ऐसी कई घटनाएं हुई हैं ।पश्चिम बंगाल में न्यू जलपाईगुड़ी, बीरभूम और हावड़ा में ट्रेन के लॉन्च के बाद से ही ट्रेन पर पत्थर फेंके गए। पश्चिम बंगाल में ट्रेन पर पथराव की यह चौथी घटना है। हालांकि इन घटनाओं की जांच पश्चिम बंगाल में शुरू कर दी गई है।

अतीक अहमद के कुत्ते ब्रूनों के बाद ब्राउनी की हुई भूख-प्यास से मौत

इलाहाबाद। माफिया अतीक अहमद के घर पर 5 विदेशी नश्ल के खूंखार कुत्ते हैं। इनमें से दो कुत्तों की भूख प्यास से तड़पकर मौत हो चुकी है। ये वहीं कुत्ते हैं, जिनसे कभी मुलायम सिंह ने हाथ मिलाया था।

उमेश पाल हत्याकांड के बाद माफिया अतीक अहमद और उनके करीबी पर शिकंजा कसता जा रहा है। इसका असर उनके दोनों बेजुमान कुत्तों पर भी पड़ा है। प्रयागराज के चकिया आवास पर रहने वाले विदेशी नस्ल के पांच कुत्ते कई दिनों से भूखे-प्यासे हैं।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पुरस्कार 2023 से महिलाओं को किया गया सम्मानित

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग द्वारा शनिवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य पर पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पुरस्कार 2023 समारोह में सेना, खेल, सामाजिक संस्थाओं और आम नागरिकों की महिला अधिकारियों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। इस साल दिल्ली महिला आयोग की तरफ से 90 पुरस्कार दिए गए। सम्मानित किया गया। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पुरस्कार 2023 समारोह में दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष रामनिवास गोयल, दिल्ली सरकार के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय, समाज कल्याण मंत्री राज कुमार आनंद, राज्यसभा सांसद संजय सिंह, राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा, कनाडा की कार्यवाहक उच्चायुक्त अमांडा स्ट्रोहन, विशेष सेवा मेडल (वीएसएम) से सम्मानित एयर मार्शल आरती सरीन, डीडीजी बीआरओ ब्रिगेडियर आशीष गंभीर व जॉर्ज पी चेरियन, एडीजी भारतीय तटरक्षक आईजी नीरज तिवारी, एडीजी एनसीसी मेजर जनरल एस.पी. विश्वासराव, बीएसएफ के आईजी डेविड लालरिनसांगा और दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल उपस्थित रहीं। भारतीय सेना, भारतीय नौसेना, भारतीय वायु सेना, बीआरओ, बीएसएफ, सीआरपीएफ, सीआईएसएफ, भारतीय तटरक्षक और दिल्ली पुलिस की महिला अधिकारियों को भी दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने सम्मानित किया गया। दिल्ली महिला आयोग के अनुसार आयोग द्वारा वर्ष 2016 में उन प्रेरणादायक लोगों, पुरुषों और महिलाओं दोनों को सम्मानित करने के लिए 'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पुरस्कार' की स्थापना की गई।

संपादकीय

अस्वीकार्य विवाद

तमिलनाडु में बिहार के श्रमिकों के साथ किसी भी तरह का कथित अप्रिय घटनाक्रम अस्वीकार्य है, लेकिन इस मुद्दे को लेकर जिस तरह की राजनीति की जा रही है वह दुर्भाग्यपूर्ण है। इस मुद्दे पर ज्वलनशील सोशल मीडिया की भूमिका पर भी सवाल उठे हैं, जिसमें पुराने वीडियो वायरल करके उन्हें ताजा घटनाक्रम से जोड़ा गया। निस्संदेह, यह उत्तर भारतीय राज्यों के सत्ताधीशों की नाकामी है कि उनके राज्यों की श्रम शक्ति विकसित व विकासशील राज्यों में जीवन-यापन के लिये मजबूर है। हालांकि, किसी भी ऐसी सोच को खारिज किया जाना चाहिए जो दूसरे राज्य के कामगारों को लेकर दुराग्रह रखती है। विडंबना यह है कि प्रत्येक राज्य के लोगों में यह भावना पायी जाती है कि अपने श्रम आधारित रोजगार के क्षेत्रों में काम करने के बजाय वे दूसरे राज्यों में काम करना ज्यादा बेहतर समझते हैं। यही तमिलनाडु में भी हुआ कि स्थानीय लोगों की सक्रियता के अभाव में उत्तर भारत के लाखों श्रमिक वहां के कपड़ा उद्योग, मछली पालन व निर्माण कार्य में लगे हुए हैं। निस्संदेह, अस्तित्व के प्रश्न पर बाहर से आये श्रमिक कम वेतन या मजदूरी में काम करने को राजी हो जाते हैं। जिसे स्थानीय लोग अपने आर्थिक हितों के खिलाफ मानते हैं और इसके लिये बाहरी राज्यों से आये लोगों को जिम्मेदार मानते हैं। बताते हैं कि जनवरी में तिरपुर की एक चाय की दुकान में बिहारी श्रमिकों व स्थानीय लोगों के बीच टकराव हुआ था। लेकिन बाद में कुछ पुरानी व भ्रामक वीडियो सोशल मीडिया पर डालकर यह बताने की कोशिश की गई कि ये हमले बिहार, झारखंड व छत्तीसगढ़ के श्रमिकों पर किये जा रहे हैं। अच्छी बात यह है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन व बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने सीधे संपर्क करके इन आरोपों को खारिज किया। बिहार से भी अधिकारियों का दल मामले की जांच के लिये तमिलनाडु गया। वाकई ऐसे विवादों में राज्य सरकारों व अधिकारियों की भूमिका विवाद के पटाक्षेप में महत्वपूर्ण हो जाती है हमारा देश सदैव ही वसुधैव कुटुंबकम्? की अवधारणा पर विश्वास करता रहा है। वैसे भी राज्यों को लेकर संकीर्ण सोच हमारे संघवादी ढांचे के विरुद्ध ही है। जो राष्ट्रीय एकता की अवधारणा को भी ठेस पहुंचाती है। निस्संदेह, ऐसे मामलों में भावनात्मक मुद्दों को उछालकर दो राज्यों के बीच तनाव पैदा करने का अकसर प्रयास होता है। हाशिये पर गये राजनीतिक दल ही इन मुद्दों को उठाकर भावनात्मक दोहन करते हैं। एक राजनीतिक विचारक की टिप्पणी खासी चर्चित रही है कि 'एक नेता वह व्यक्ति होता है जो हम से वो करवा देता है, जिसे हम करना नहीं चाहते। लेकिन उसे करने के बाद हम नेता के अहसानमंद हो जाते हैं।' इस मामले में कुछ ऐसा ही हुआ और एक राजनीतिक दल पर ऐसे आरोप लगे। मामले में एक राजनेता व अन्य लोगों पर अफवाह फैलाने के खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज की गई। कुछ वर्ष पहले महाराष्ट्र में भी हिंदी भाषी लोगों के खिलाफ मनसे ऐसी मुहिम चलाती रही है। लगातार उत्तर भारतीयों पर हमले भी हुए लेकिन बहुसंख्यक समाज ने इसे सिरे से खारिज किया। निस्संदेह, कुछ सिरफिरे लोगों के द्वारा पैदा किये गये विवाद को राज्यों के सभी लोगों को जिम्मेदार ठहराना कतई तार्किक व न्यायसंगत नहीं कहा जा सकता।

आत्मकेंद्रित दौर में सौहार्द-भाईचारे का रंग

होली मिलन के सभी समारोहों को सामाजिक स्तर पर मनाया जाता है न कि व्यक्तिगत स्तर पर। जब इन समारोहों द्वारा समाज के सभी वर्गों की भागीदारी पूरी हो जाती है, तब जाकर घर में व्यक्तिगत रूप से होली मनाई जाती है। इससे होली के सामाजिक महत्व का पता चलता है। यहां पर पहले समाज और बाद में घर आता है। जब तक समाज खुशहाल नहीं होगा, तब तक कोई घर कैसे खुशहाल हो सकता है। इसीलिये होली के अवसर पर होली मिलन समारोह आयोजित होते हैं। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि होली एक सामाजिक भाईचारे को बढ़ाने का त्योहार है।

त्यो हार भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग हैं। भारत में प्रत्येक माह कोई न कोई त्योहार होता ही है। सभी त्योहारों का अपना-अपना महत्व भी होता ही है। इस कड़ी में होली के त्योहार की बात ही कुछ और है। होली बाक़ी के सभी त्योहारों से अलग इसलिये भी है, क्योंकि यह एकमात्र ऐसा त्योहार है, जिसके समारोह काफ़ी समय पहले ही शुरू हो जाते हैं। होली से लगभग पंद्रह दिन पहले ही होली मिलन समारोह आयोजित होने लगते हैं। ऐसा अन्य किसी त्योहार में देखने को नहीं मिलता है। क्या आपने कभी दशहरा मिलन, दिवाली मिलन, नवरात्रे मिलन आदि नहीं सुना है? निश्चित रूप से आपका उत्तर नहीं में ही होगा। क्योंकि ये सभी त्योहार तय समय पर ही मनाये जाते हैं। लेकिन होली ही एकमात्र ऐसा त्योहार है, जिसे बहुत पहले से मनाना शुरू कर दिया जाता है।

होली मिलन के सभी समारोहों को सामाजिक स्तर पर मनाया जाता है न कि व्यक्तिगत स्तर पर। जब इन समारोहों द्वारा समाज के सभी वर्गों की भागीदारी पूरी हो जाती है, तब जाकर घर में व्यक्तिगत रूप से होली मनाई जाती है। इससे होली के सामाजिक महत्व का पता चलता है। यहां पर पहले समाज और बाद में घर आता है। जब तक समाज खुशहाल नहीं होगा, तब तक कोई घर कैसे खुशहाल हो सकता है। इसीलिये होली के अवसर पर होली मिलन समारोह आयोजित होते हैं। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि होली एक सामाजिक भाईचारे को बढ़ाने का त्योहार है।

होली के साथ जो मिलन शब्द प्रयोग होता है, उसका अर्थ जोड़ना होता है। यहां पर मिलन शब्द का अर्थ पारिवारिक और सामाजिक भाईचारे को जोड़ने से लिया गया है। किसी भी कारण से परिवार के लोगों के बीच किसी भी बात को लेकर मन-मुटाव हो गया हो, तो होली के त्योहार पर एक-दूसरे से मिलकर उसे दूर किया जाता है। तभी होली परिवारों और समाज को आपस में जोड़ने का काम करती है। इस त्योहार पर आपसी गिले-शिकवे भुलाकर एक-दूसरे को गले लगाया जाता है और कहा जाता है, भूल-चूक सब माफ़। इस प्रकार होली न केवल परिवारों को बल्कि पूरे समाज को जोड़ने का काम करती है। वेदों में वर्णित योग विद्या भी जोड़ने का ही काम करती है। एक और जहां आत्मा और परमात्मा के मिलन की बात की जाती है। वहीं पर समाज के सभी वर्गों को जोड़कर अपने साथ लेकर चलने की बात अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर बोली जाने वाली योग की ये प्रार्थना भी करती है=-

अर्थात? हम सब एक साथ मिलकर चलें; एक साथ मिलकर बोलें; हम सभी के मन एक हों। प्राचीन समय में हमारे पूर्वजों व देवताओं का ऐसा आचरण रहा, जिसके कारण वे सभी आज भी वंदनीय हैं। वेद का यह मंत्र आज पूरे विश्व में स्वीकार्य है। न जाने कितने देशों के स्कूलों और विश्वविद्यालयों में आज इस मंत्र को पढ़ाया जाता है। हम बहुत ही भाग्यशाली हैं, जो हमें इतनी समृद्ध विरासत मिली है। होली का पावन त्योहार भी हमें यही प्रेरणा देता है कि हम सभी को मिल-जुलकर रहना चाहिए और सबकी उन्नति में अपनी उन्नति समझनी चाहिए। इसलिए होली मिलन समारोहों के माध्यम से ये सुनिश्चित करने का काम किया जाता है कि इसमें समाज के प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी हुई है। समाज में सभी संपन्न नहीं होते हैं। इसलिए जो संपन्न लोग हैं, उनकी ये ज़िम्मेदारी बनती है कि वे समाज के पिछड़े, शोषित, कमजोर और असहाय लोगों को भी समाज की मुख्यधारा के साथ जोड़ें। समाज के सभी वर्गों की भागीदारी से ही समाज उन्नत बनता है। इस प्रकार होली हम सभी को जोड़ने का काम करती है। योग हमारी पुरातन व सनातन परंपरा है। योग का अर्थ बहुत व्यापक रूप से बताया गया है। एक ओर जहां योग का लक्ष्य जीवन के अन्तिम पुरुषार्थ अर्थात? मोक्ष को प्राप्त करना है। वहीं योग को सामंजस्य स्थापित करने अथवा जोड़ने के सम्बन्ध में भी प्रयोग किया जाता है। जैसे शरीर और मन में सामंजस्य स्थापित करना, कर्ता और कर्म में सामंजस्य बनाना व आत्मा और परमात्मा का एकीकरण आदि। इस प्रकार हम देखते हैं कि योग हमारे अन्दर सामंजस्य अर्थात? जोड़ने और आपसी सम्बन्धों को मज़बूत करने का काम करता है। इसी प्रकार जब हम होली के त्योहार को देखते हैं, तो हमें पता चलता है कि होली का त्योहार भी जोड़ने और आपसी सम्बन्धों को मज़बूत बनाने का काम करता है। जैसे योग शरीर और मन को जोड़ता है, उसी प्रकार होली परिवार और समाज के आपसी सम्बन्धों को जोड़कर, समाज में आपसी सौहार्द और भाईचारे को मज़बूत बनाने का काम करती है।

होली के दिन लोग एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर अपनी पुरानी कड़वाहट को ख़त्म करते हैं। साथ ही रंग लगाकर सभी को बधाई देते हैं। इस प्रकार होली का त्योहार बिगड़े हुए पारिवारिक सम्बन्धों में मिठास घोलने का काम करता है। जिस प्रकार योग सबका समान रूप से विकास करता है, उसी प्रकार होली भी सबकी ख़ुशहाली का प्रतीक है। योग से हमारा मन और चित्त प्रसन्न होता है। होली का त्योहार भी हम सभी के मन को एक करके उसे प्रसन्न करने का काम करता है।होली का त्योहार सर्दी की समाप्ति और गर्मी की शुरुआत के बीच में आता है। जहां हम एक ऋतु को अलविदा कह रहे होते हैं, तो वहीं दूसरी ऋतु के स्वागत हेतु हम ख़ुद को तैयार कर रहे होते हैं। जहां ऋतु बदलती है, वहां बहुत कुछ बदलता है। इसी समय हम भारतीय नववर्ष का स्वागत करते हैं। इसी समय खेतों में नई फसल लहलहा रही होती है। जिसे घरों में लाने की शुरुआत भी इसी समय की जाती है। इस प्रकार नई ऋतु, नया मौसम, नई फसल, नई कक्षा, और नववर्ष की शुरुआत, ये सभी होली के त्योहार पर ही होता है।

इसके अतिरिक्त होली के त्योहार को मुख्य रूप से दो प्रकार से मनाया जाता है। एक रंग लगाकर और दूसरा मिठाई खिलाकर। रंग ख़ुशहाली का और मिठाई संपन्नता का प्रतीक मानी जाती है। रंग हमारे जीवन को जीवंत बनाने का काम करते हैं। जिसके जीवन में रंग नहीं है, उसका जीवन नीरस माना जाता है। इसलिए होली में रंग का होना उल्लास और ख़ुशहाली को दर्शाता है। इसी प्रकार मिठाई संपन्नता को दर्शाती है। मिठाई को बनाने के लिए घी, दूध और मीठे की आवश्यकता होती है। ये सभी वस्तुएं प्राचीन समय से ही संपन्न लोगों की निशानी मानी जाती रही हैं। जिसके घर में दूध-घी का उत्पादन होता था। वह संपन्न परिवार समझा जाता था। घर में मनाई जाने वाली सभी ख़ुशियों में मिठाई का बनना आम बात होती है। होली के अवसर पर बनने वाली मिठाइयां आपसी प्रेम और सौहार्द को बढ़ाने का ही काम करती हैं। सभी लोगों का एक-दूसरे को रंग लगाना और मिठाई खिलाना पारिवारिक और सामाजिक कुंठाओं को मिटाकर ख़ुशहाली और आपसी प्रेम को बढ़ाता है। इसी कारण होली का ये त्योहार सबसे अलग और विशेष है।होली के इस पावन पर्व पर हम सभी को ये संकल्प लेना चाहिए कि हम परिवार और समाज के सभी लोगों और वर्गों को साथ लेकर चलेंगे। जिससे हम अपना और समाज का चहुंमुखी विकास करके सही मायने में मानवता का परिचय दे सकेंगे।

फूहड़ रील्स और शार्ट विडियोज बनाने में फंसी आधी आबादी ..!

रील्स और शार्ट विडियोज ने यूट्यूब इंस्टा और ट्विटर पर खूब धूम मचाई है पर क्या आप जानते है ये शार्ट विडियोज बनाने वाली 90प्रतिशत महिलाएं और लड़कियां सभ्य सुशिक्षित घरों से आती है । इनके रील्स और विडियोज देख कर लगता है की सोशल मीडिया ने अश्लीलता कि हद पर कर दी है । पैसा और फैशन ने समाज की विचारधारा बदल कर रख दी है । व्यक्तिगत तौर पर जिस सभ्य समाज की परिकल्पना हमने की थी आज वही समाज उल्टी दिशा की तरफ अग्रसर है । उदाहरण के तौर पर कई अच्छे और सभ्य खानदान की बहू बेटियां इंस्टा पर फेमस होने के चक्कर में भौड़ा प्रदर्शन कर रही । भोजपुरी गानों पर रील बनाकर खुद को मॉडर्न दिखाने और प्रसिद्धि पाने के चक्कर में अपने परिवार और मां बाप की इज्जत को उछाल रही । मैने तो कई संस्कारी बहुओं को भोजपुरी अश्लील गानों पर थिरकते देखा और उनसे बात करिए तो लगता है परम ऋषि मुनियों के खानदान से है पर जब बात मॉडर्न लाइफ की आती है तो सारे सुविचार और संस्कार धरे के धरे रह जाते है ।आजकल समाज का फोकस बस कुछ अंगों के प्रदर्शन तक ही सीमित होकर रह गया है । लड़कियाँ अपना अमुक अंग , लड़के अपना अमुक अंग प्रदर्शित करने में ही अपना विजय समझ रहे हैं । पहले के समय में बुद्धि और परिश्रम से धन कमाया जाता था ।आज कलियुग में बस उस एक अमुक अंग का होना ही आपको धनवान और यश दिला देगा । आज रिल्स शॉर्ट्स इत्यादि में इतनी अभद्रता और अश्लीलता भरी है कि उसकी देखा देखी सभी की दुनियाँ उन्हीं अंगों के इर्द गिर्द ही सिमटती नज़र आ रही है । यह हो क्या रहा है । और यब सब इतना साधारण हो चुका है कि मुझे लगता है जल्दी ही शॉर्ट्स और रील्स की जगह प्रसिद्धि के लिए यही संस्कारी बहु बेटियां पोर्न बनाने लगेंगी । तब सभी लड़के लड़की सड़कों पर गली नुक्कड़ पर दिखने लगेंगे और फिर यह भी हमें साधारण लगेगा ।क्योंकि मन मस्तिष्क धीरे धीरे इन सब चीजों का अभ्यस्त होता जाता है , सब कुछ साधारण लगने लगता है । जो पिता और भाई एक समय अपनी बहन को स्लीवलेस

पंकज कुमार मिश्रा (जौनपुर)

भोजपुरी गानों पर रील बनाकर खुद को मॉडर्न दिखाने और प्रसिद्धि पाने के चक्कर में अपने परिवार और मां बाप की इज्जत को उछाल रही । मैने तो कई संस्कारी बहुओं को भोजपुरी अश्लील गानों पर थिरकते देखा और उनसे बात करिए तो लगता है ।

पहन लेने पर गुस्से से देखता था , वही आज अपनी बेटियों को वेश्या बनाकर सड़कों पर घुमाते हुए देखे जा रहा हैं और बेटियां और बहु इतनी चालाक की या तो उन्हे सोशल मीडिया पर ब्लॉक करके ये कर रही या कुछ बेशर्मी से । उनको लगता ही नहीं कि हमारी बेटी असभ्य कपड़े पहनी है क्योंकि धीरे धीरे अभ्यास पड़ जाता है और सब साधारण लगने लगता है । समझ नहीं आता क्या हो रहा है समाज को छोटे छोटे लड़के अपने उस अंग को दिखाते हुए , उसी से सम्बंधित बात करते हुए रील और शॉर्ट्स बना रहे हैं । छोटी छोटी लड़कियाँ वेश्याओं की भाँति बात करते हुए , अंग दिखाते हुए , अश्लील इशारे और हरकतें करती हुई रील और शॉर्ट्स बना रही हैं । घोर आश्चर्य होता है कि इनके माँ बाप भाई बहन चाचा मामा दादा दादी क्या सब मर गए हैं जो इन्हें टोकते नहीं यह सब करते हुए ?इतनी भ्रष्टता । कुछ भी बोलने पर होता है कि गंदगी तुम्हारी आँखों मे है ।यह ऐसे ही है जैसे किसी को विष्ठा खिलाओ और उससे कहते जाओ जो स्वाद है वह तुम्हारी जीभ के कारण है , जो दुर्गंध आ रही है वह तुम्हारी नाक के कारण है । ऐसा समाज ही एक भ्रष्ट समाज पैदा करता है जिनमें लड़के बलात्कारी और लड़कियाँ वेश्या निकलती हैं । यही छोटे लड़के जब बड़े हो जायेंगे तो जगह जगह बलात्कार करते घूमेंगे और यही जब छोटी लड़कियाँ बड़ी हो जायेंगी तो वेश्या बनकर हर जगह घूमेंगी और पॉलिथीन में इनके गिराए गए भ्रूण कुत्ते नोंच रहे होंगे , इन्हीं लोगों के कारण कुत्तों को दावत मिलेगी रोज रोज । हम क्यों नहीं समझ रहे हैं । अभी अच्छा लग रहा है लेकिन आने वाले समय में यही लड़के लड़की भ्रष्ट समाज , वर्णसंकर और सत्वहीन वामपंथी कुकर्मियों को जन्म देंगे । हर जगह अशांति व्याप्त होगी । अरे इतना बदल गया यह समाज मात्र 5 वर्षों के अंदर कि वह छोटे बच्चे बच्चियाँ जिनको देखकर प्रेम और ममत्व उमड़ता है , वह अश्लीलता का मुकुट पहनकर हर जगह घूमेंगे ! ओह्ह ईश्वर ! और मैं यह पूरे उत्तरदायित्व के साथ कहता हूँ कि ये छोटे बच्चे लड़के लड़कियाँ इसके जिम्मेदार नहीं हैं , उन्हें इसका परिणाम नहीं पता है , इसके पूर्णरुपेण से जिम्मेदार इनके वय: भ्रष्ट माता पिता और पति हैं जो पशुवत धन कमाने में व्यस्त हैं और जिनके पापमय संभोग से इन संतानों ने जन्म लिया है । वह कोख भी पूर्ण पापमय है जिन्होंने इन संतानों को जन्म दिया है । आप लोगों से भी निवेदन है कि ऐसी रील या शॉर्ट्स को देखकर त्वरित रूप से विरोध करें वरना वह समय दूर नहीं जब आपके ही बच्चे आपकी आँखों के सामने बलात्कार और वेश्यागिरी करेंगे और आपसे देखकर ताली बजाने को कहेंगे । यह कोई साधारण बात नहीं है , धीरे धीरे उँगली पकड़ते पकड़ते कब गले तक हाथ पहुँच जाए , आपको पता नहीं लगेगा । इन सबके प्रति नकरत्मकता बढ़ता ही चला जायेगा और अश्लीलता परिवार में आ जाएंगी । इसलिए इस लेवल को इतना मत बढाईये जिससे आपका , इस समाज का , इस राष्ट्र का और आने वाले भविष्य का विनाश हो । आज इसी मॉडर्न और पैसा कमाने की प्रवृत्ति के कारण सभी लड़कियाँ नंगी घूमती हैं और उनको कोई कुछ नहीं बोल सकता । अब कोई ये मत कहना कि गंदगी देखने वाले की आँख में होती है ।

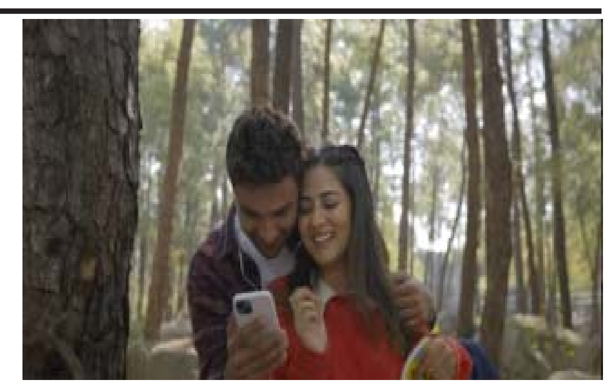

टी-सीरीज़ ने किया एक नया लव ट्रैक 'करीब' रिलीज़

शिवोरिक्स प्रोडक्शंस की नवीनतम प्रस्तुति म्यूजिक वीडियो 'करीब' को टी-सीरीज़ ने संगीतप्रेमियों के लिए जारी कर दिया है। 'करीब' को शिवम शर्मा ने स्वरबद्ध किया है, जिसे शिवोरिक्स के नाम से भी जाना जाता है, जिसे रोनित विंटा और शिवोरिक्स द्वारा रचित और लिखा गया है। शिवोरिक्स, रजत डकोल और उपमा शर्मा अभिनीत यह म्यूजिक वीडियो एक सच्चे प्यार को परिभाषित करती है।

गीतकार रोनित विंटा इस गाने के बारे में विस्तृत चर्चा करते हुए बताते हैं कि, इस ट्रैक पर काम करना खुशी की बात थी। हम ऐसा संगीत बनाना चाहते थे जो न केवल गीत के बोल और शिवम की सुरीली आवाज का पूरक हो बल्कि इस गीत के मर्म को सामने लाए और मुझे यकीन है कि सभी संगीतप्रेमी इसे पसंद करेंगे।

गाने के बारे में बात करते हुए सिंगर शिवम शर्मा उर्फ ??शिवोरिक्स कहते हैं कि 'करीब' जैसे गाने के लिए टी-सीरीज़ के साथ काम करके मुझे बहुत खुशी हो रही है, जो कई श्रोताओं के दिलों को छू जायेगा। रोनित विंटा के साथ काम करना एक परम आनंद था और मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि मेरे प्रशंसक इस गाने को कितना पसंद करते हैं।

प्रस्तुति : काली दास पाण्डेय

शिक्षा भूषण सम्मान 2023 से अलंकृत हुए भाषा अध्यापक राजीव डोगरा

कांगड़ा। कांगड़ा हिमाचल प्रदेश के गाहलियां विद्यालय में कार्यरत युवा कवि लेखक तथा भाषा अध्यापक राजीव डोगरा को चित्तपावन भारत पत्रिका, सहारनपुर उत्तर प्रदेश सम्बद्ध(चित्तपावन परशुराम सेवा समिति, सहारनपुर उत्तर प्रदेश) ने पत्रिका के दशम स्थापना वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में सहर्ष साहित्य,शिक्षा व समाज सेवा के क्षेत्र में प्रशंसनीय कार्य हेतु शिक्षा भूषण सम्मान 2023 देकर सम्मानित किया गया। उनको यह सम्मान संस्था के संरक्षक सुरेन्द्र कपिल(पूर्व विधायक)सहारनपुर,संरक्षक सुरेन्द्र शर्मा(वरिष्ठ चिंतक)सहारनपुर,संरक्षक जितेन्द्र कुमार गौड़ (अध्यक्ष जे. के.जी.ग्रुप)गाजियाबाद, संरक्षकस्वामी राघवानंद (अलवर)राजस्थान प्रधान संपादक,ब्रजेश शर्मा(उ.प्र.शासन द्वारा पुरस्कृत)सहारनपुर के द्वारा वर्चुअल माध्यम से प्राप्त हुआ ।सम्मानित होने पर राजीव के माता-पिता हंसराज और सरोज कुमारी तथा प्रिंसिपल नीरज गर्ग (गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल गाहलियां)ने अत्यंत खुशी व्यक्त की और ऐसे ही आगे बढ़ते रहने के लिए उत्साहित किया।

याद करेगी दुनियां तेरा मेरा यारानां, भारत-ऑस्ट्रेलिया के संबंधों में नया ऐतिहासिक अध्याय जुड़ा

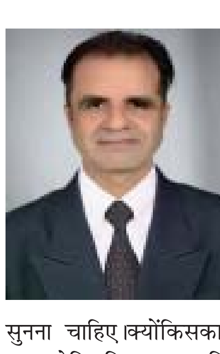

गोंदिया। वर्ष 1981 में 10 ज़नवरी को रिलीज हुई हिंदी फीचर फिल्म याराना का अंजान द्वारा लिखा गीत, तेरे जैसा यार कहां कहां ऐसा याराना, याद करेगी दुनिया तेरा मेरा अफ़साना गीत को हमारे युवाओं को जरूर सुनना चाहिए ।क्योंकिसकारात्मक दोस्ती संबंधोंसे नएनएऐतिहासिक आयाम लिखे जा सकते हैं,एक और एक ग्यारह का फार्मूला प्रैक्टिकल में बन जाता है और सुख दुख दोनों कंधों से कंधा मिलाकर जिंदगी रूपी पटरी पर चल रहे जीवन रूपी रेलगाड़ी के दोनों पहिए बनकर नैया पार करते हैं। यह बात आज हम इसलिए कर रहे हैं क्योंकि, ऑस्ट्रेलिया के पीएम का 8-11 मार्च 2023 का दौरा बहुत ही सकारात्मक और संबंधों में नया ऐतिहासिक अध्याय जुड़ गया। जिसके दूरगामी परिणाम भविष्य में देखने को मिलेंगे। पहली बार भारतीय धरती पर ऑस्ट्रेलिया की यूनिवर्सिटी होगी, ह्यूमन रिसोर्सेस का आदान-प्रदान, फ्री ट्रेड झोन की संभावना,व्यापारिक रणनीतियों कारोबार शिक्षा सहित अनेक नीतियों समझौतो को ऊंची उड़ान मिलेगी। पहले जो 8 से अधिक समझौते हैं उनकी प्रगति में तीव्रता आने की संभावना सृजित हुई है, जो 10 मार्च को भारत ऑस्ट्रेलिया की पहली फेस टू फेस वार्षिक शिखर वार्ता हुई। जबकि 2022 में वर्चुअल हुई थी। बता दें कि वित्तीय वर्ष 2022 में भारत ऑस्ट्रेलिया का नवां सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौता (ईसीटीए) हुआ है जो रूपांतर का समझौता है।

साथियों बातअगर हम ऑस्ट्रेलिया पीएम के भारत यात्रा के उत्साह और संबंधों के नए इतिहास रखने की प्रतिबद्धता की करें तो, भारत रवाना होने से पहले पीएम ने इस यात्रा को ऑस्ट्रेलिया के लिए लिए ऐतिहासिक मौका बताया है उन्होंने कहा था कि हिंद प्रशांत क्षेत्र में मौजूदा हालात को देखते हुए हमारे पास भारत के साथ अपने संबंधों को मजबूत करने का एक ऐतिहासिक अवसर है।ऑस्ट्रेलियाई पीएम ने आगे कहा कि यह यात्रा भारत के साथ हमारे संबंधों को गहरा करने और हमारे क्षेत्र में स्थिरता और विकास के लिए एक ताकत बनने की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है।ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच एक समृद्ध मित्रता है, जो हमारे सामान्य हितों, हमारे साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, हमारे लोगों के बीच के बंधन और लगावपूर्ण प्रतिद्वंद्विता पर आधारित है। उन्होंने कहा कि भारतीय पीएम के निमंत्रण पर वे अहमदाबाद, मुंबई और नई दिल्ली का दौरा कर रहे हैं। पीएम ने इसे भारत के साथ व्यापार के लिए ऑस्ट्रेलियाई कारोबारियों के लिए अद्भुत अवसर करार दिया। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहले से ही व्यापक रणनीतिक या सामरिक साझेदारी है,ये सामरिक साझेदारी यानी स्ट्रैटजिक पार्नटनशिप से भी एक कदम आगे की साझेदारी है। दुनिया में बहुत कम देश हैं,जिनके साथ भारत के इस तरह के कूटनीतिक संबंध हैं। इसके बावजूद भी ऑस्ट्रेलिया के पीएम चाहते हैं कि दोनों देशों के सबंध इससे भी आगे जाकर और मजबूत हो। दरअसल बतौर पीएम भारत की पहली यात्रा पर आए हैं और नई दिल्ली पहुंचने से पहले ही उन्होंने अपने इरादों से भारत को अवगत करा दिया था। भारत आने से पहले ऑस्ट्रेलिया की ओर से 5 मार्च को भी बयान जारी किया गया था, इसमें ऑस्ट्रेलियाई पीएम ने कहा था कि पीएम के रूप में यह मेरी पहली भारत यात्रा होगी और मैं दोनों देशों के बीच गहरे संबंध को और मजबूत करने को लेकर इच्छुक हूं ।एक कदम और आगे बढ़ते हुए ऑस्ट्रेलियाई पीएम ने कहा था कि हमारा भारत के साथ संबंध मजबूत है, लेकिन इसे और भी मजबूत किया जा सकता है। द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी से बल मिलता है, जो हमारे रक्षा, आर्थिक और तकनीकी हितों को बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने की संयुक्त प्रतिबद्धता को दर्शाता है। ऑस्ट्रेलियाई पीएम के कार्यालय से जारी बयान में कहा गया था कि पीएम की अहमदाबाद, मुंबई और नयी दिल्ली की यात्रा से भारत के साथ ऑस्ट्रेलिया के रणनीतिक, आर्थिक और लोगों के बीच संबंध और प्रगाढ़ होंगे। बयान में भारत को ऑस्ट्रेलिया का घनिष्ठ मित्र और भागीदार बताया गया, इससे व्यापार और निवेश बढ़ाने का मौका मिलेगा, जिससे दोनों देशों की अर्थव्यवस्था मजबूत होंगी। साथ ही दोनों देशों के लोगों को सीधे लाभ भी मिलेगा। उन्होंने भरोसा जताया है कि भविष्य में भी भारत, ऑस्ट्रेलिया के लिए एक महत्वपूर्ण भागीदार और करीबी दोस्त बना रहेगा।

एडवोकेट किशन सनमुख़दास भावनानी

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बी.पी.एस. न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिज़्मेदार होंगे।

\- सज़्पादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक, साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ज़्लाक स्तर पर ज़्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

सज़्पर्क करें -:

मो.: 8423454502, 9335908846

email:bps.knp786@gmail.com

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सज़्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नज़्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नज़्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 9335908846, bps.knp786@gmail.com

म्यूजिकल फाउंटेन किदवई नगर में कल मनाया गया होली मेला समारोह

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर महोत्सव समिति द्वारा 12 मार्च 2023 दिन रविवार को शाम 5:00 बजे से म्यूजिकल फाउंटेन पार्क किदवई नगर में होली मिलन समारोह का आयोजन संपन्न हुआ ।जिसमें लुप्त होती परंपराओं को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया गया।होली मिलन समारोह में मुख्य आकर्षण का केंद्र फाग एवं आल्हा का संगीतमय गायन हुआ।

सिंचाई संघ में अजय ने जिलाध्यक्ष व विनय ने मंत्री पद की ली शपथ

बीपीएस न्यूज

कानपुर। उत्तर प्रदेश सिंचाई संघ के द्विवार्षिक अधिवेशन/चुनाव अधिशासी अभियंता प्रखण्ड निचली गंगा नहर फूलबाग प्रांगण में प्रदेश महामंत्री सिंचाई संघ अवधेश मिश्रा की देखरेख में सम्पन्न हुआ।

अजय कुमार द्विवेदी अध्यक्ष व विनय कुमार गौतम मंत्री निर्वाचित हुए।शपथ ग्रहण में मुख्य अतिथि यासीन खान व अध्यक्षता राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिलाध्यक्ष राजा भरत अवस्थी ने की।नव निर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ ग्रहण प्रदेश महामंत्री अवधेश मिश्रा ने दिलाई।अधिवेशन में पुरानी पेंशन बहाली व कैशलेश चिकित्सा योजना के क्रियान्वयन तथा सेवा सम्बन्धी समस्याओं पर सभी वक्ताओं ने सरकार से मांग की।अधिवेशन में प्रमुख रूप से हरीश श्रीवास्तव, प्रेम शुक्ला, विजय शर्मा, विजय करन सिंह, योगेन्द्र सिंह गौतम, अंकित मिश्रा, गौरव द्विवेदी, मोहित शुक्ला, आशीष शुक्ला, अंशू सोनकर, विवेक शुक्ला, अनीस अहमद, बृजपाल सिंह, सुनीता, ऊषा कुमारी, सुनीता साहू, पूजा गौड़, सुमन शिवहरे, रविंद्र तिवारी भोला आदि सम्मिलित हुये।

गंगा मेला कार्यक्रम को लेकर जिलाधिकारी कानपुर द्वारा सरैया घाट मेला स्थल का किया गया निरीक्षण

बीपीएस न्यूज

कानपुर।13 मार्च को जनपद में आयोजित होने वाले ऐतिहासिक होली गंगा मेला कार्यक्रम के दृष्टिगत जिलाधिकारी विशाख जी द्वारा सरसैया घाट मेला स्थल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा उपस्थित अधिकारियों के साथ घाट की सफाई व्यवस्था, यातायात प्रबंधन एवं मेला प्रबंधन से संबंधित अन्य व्यवस्थाओं को समुचित रूप से कराए जाने हेतु विस्तृत समीक्षा की गई ।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थित संबंधित अधिकारियों को निम्नलिखित निर्देश दिए

स जोनल अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि सरसैया घाट चौराहे से लेकर घाट तक साफ-सफाई समुचित रूप कराई जाए एवं गंगा मेले के दौरान साफ-सफाई बनाए रखने हेतु खान-पान वाले स्थानों पर डस्टबिन आदि की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए।

स अधिशासी अभियंता, केस्को यह सुनिश्चित करें कि आयोजन स्थल एवं घाट में लटकते बिजली के तारों को सही तरीके से सुव्यवस्थित करा लिया जाए, जिससे किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। नगर आयुक्त यह सुनिश्चित करें कि सरसैया घाट के प्रांगण में लगने वाली दुकाने सुव्यवस्थित तरीके से लगाने हेतु स्थानीय दुकानदारों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए मार्किंग कराना सुनिश्चित करें ताकि घाट एवं गंगा नदी में जाने वाले लोगों को असुविधा न हो। साथ ही मार्किंग का पालन कराने हेतु प्रर्वतन टीम लगाई जाए।

स नगर आयुक्त मेला स्थल एवं घाट की सफाई व्यवस्था हेतु सूक्ष्म अवलोकन करना सुनिश्चित करें, साथ ही घाट में अर्पण स्थलों की संख्या और बढ़ाई जाए।

निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त शिवशरणप्पा जी0एन0, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट हिमांशु गुप्ता, अपर जिलाधिकारी (नगर) अतुल कुमार, पुलिस उपायुक्त रवीना त्यागी के साथ अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

लोकपाल मनरेगा ने वसूली न करने पर वेतन रोकने का दिया आदेश

उन्नाव।पिछले दिनों ब्लॉकों में हो रही सोशल ऑडिट की बैठकों में शामिल होकर लोकपाल मनरेगा,उन्नाव एड अतुल निगम ने सरकारी धन का दुरुपयोग की बड़ी गड़बड़ी पकड़ी।ब्लॉक नवाबगंज, उन्नाव की बैठक में लोकपाल ने पाया कि रु 174798 का गलत ढंग से भुकतान कर पैसा निकाले गये व वही रु 64,54,526 का कोई अभिलेख ही नही मिले।इस पर लोकपाल मनरेगा ने आदेश पारित किया कि वसूली के लिये जिम्मेदार अधिकारियो/कर्मचारियों से तुरन्त वसूली की जाय ।

लोकपाल ने माना कि खण्ड विकास अधिकारी की कार्य शिथिलता के कारण गलत भुगतान और फिर उसकी वसूली अभी तक नही करने पर इस राशि पर 12 प्रतिशत के दर से ब्याज उनसे वसूला जाए तथा सभी जिम्मेदार अधिकारियो व कर्मचारियो के जब तक वसूली न हो जाये तब तक वेतन रोक दिए जाएं।वही सरकारी धन का दुरूपयोग रोकने के लिए ब्लॉकों की सोशल ऑडिट की टीमों को भी अपनी कार्यप्रणाली में सुधार करने की चेतावनी दी।

बोट क्लब मे, अब और अधिक बोट के साथ रोमांचक होगी बोट राइड

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर विकास प्राधिकरण के वित्त पोषण से विकसित, कानपुर बोट क्लब मे पर्यटकों को और अधिक रोमांच मिलेगा, आयुक्त कानपुर मंडल डाक्टर राजशेखर की नियमित प्रगति समीक्षा किए जाने से, कानपुर बोट क्लब की निरंतर प्रगति हो रही है।बोट क्लब मे और अधिक रोमांचक गतिविधि बढ़ाए जाने तथा अन्य सुविधाओं को सुचारू करने तथा सुरक्षा के साथ संचालन हेतु नए संचालकों ने आज शनिवार से और अधिक बोट के साथ संचालन आरंभ किया। संचालन से पूर्व पारंपरिक तौर पर, अपर जिला मजिस्ट्रेट तथा बोट क्लब के प्रशासनिक सचिव ने, अतुल कुमार ने, सचिव जल क्रीड़ा नीरज श्रीवास्तव तथा उत्साही जन समुदाय की उपस्थित मे फीता काटकर नई रोमांचक बोट को रवाना किया।

संचालक संस्था उत्तराखण्ड के टिहरी जनपद से है, जो जल क्रीड़ा क्षेत्र की बड़ा अनुभव प्राप्त है। संचालक संस्था के निदेशक ललित कुमार ने बताया कि अभी तीन स्पीड बोट और एक जेट स्की बोट से संचालन आरंभ किया है।25 तारीख तक एक बनाना बोट तथा एक मोटर बोट और आ जाएगी इस प्रकार बोट क्लब के बोट के बेड़े मे 8 रोमांचक बोट हो जाएगी, जिससे रोमांचक शौकीनों को इंतजार नहीं करना होगा।संचालक ने बताया कि गर्मी के दिनों मे सुबह के सूर्योदय काल तथा शाम के सूर्यास्त काल. मे बोट राइड रोमांच के साथ रमणीय भी होगी।

होली खेले रूघुवीरा पर जमकर थिरके युवक

बीपीएस न्यूज

कानपुर।ओमपुरवा निवर्तमान मंडल अध्यक्ष राम कुमार यादव (गुड्डू)के नेतृत्व मे होली मिलन व सांस्कृतिक समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना से किया गया।मुख्य अतिथि सासंद सत्यदेव देव पचौरी व विशिष्ट अतिथि निवर्तमान विघायक रघुनंदन सिंह भदौरिया,राकेश तिवारी,विनोद गुप्ता ,आशा द्विवेदी का माल्यार्पण व रूपटटा पहनाकर स्वागत व अभिनन्दन किया। मुख्य अतिथि सासंद सत्यदेव पचौरी ने अपने सम्बोधन मे कहा कि होली को त्यौहार एकता व भाई चारे का त्यौहार है। हम सबको

मिलकर एक दूसरे की मदद करनी चाहिये।

निवर्तमान विघायक रघुनंदन सिंह भदौरिया ने कहा कि जब से केंद्र मे मोदी की सरकार बनी है जब से भष्टाचार पर काफी हद तक लगाम कसी जा चुकी है। उत्तर प्रदेश मे योगी सरकार ने सारे गुंडे मवाली को जेल के अंदर भेज दिया है या वह प्रदेश छोड़कर बाहर भाग गये है। अन्य वक्ता राकेश तिवारी,आशा द्विवेदी आदि ने अपने सम्बोधन मे कहा कि आप को अपने कर्म करने चाहिए, अपने विचार शुद्ध रखने चाहिये, किसी के साथ छल कपट नही करना चाहिए।होली के महत्व के बारे मे बताया, भष्टाचार मुक्त उत्तर प्रदेश बनाने मे योगी सरकार ने देश मे एक अलग पहचान बनाई है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम मे गणेश वंदना,राघा कृष्ण व फूलो की होली का मनमोहन नृत्य देखकर आये अतिथि ताली बजाने पर मजबूर हुये।

होली खेले रघुवीरा पर आये लोग थिरकते नजर आये।

इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से राजकुमार यादव (गुड्डू), अमरीश जायसवाल, विनोद गुप्ता, सनी जायसवाल, शैलेन्द्र त्रिपाठी, राकेश ओझा,राजेश अवस्थी,लल्लू पंडित किरन निषाद आदि लोग विशेष रूप से मौजूद रहे।

7 गरीब कन्याओं का सामूहिक विवाह समारोह

बीपीएस न्यूज

कानपुर। (दिलीप कुमार मिश्रा) अवर हेल्पिंग हैंड फाउंडेशन और अखिल भारतीय वैश्य महा संगठन जिला कानपुर के सहयोग से 7 निर्धन एवं अनाथ कन्याओं का सामूहिक विवाह अग्रसेन भवन के ब्लॉक किदवई नगर में अपनी भव्यता के साथ किया गया।जिसमें सभी सातों कन्याओं ने अपने भावी वर को जय माला पहनाई और एक दूसरे के जीवन साथी बने कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।जिसमें सभी पदाधिकारी मौजूद रहे उसके बाद घुड़चढ़ी का दृश्य बड़ा ही भव्य था जिसमें सातों दूल्हे एक साथ घोड़ी पर बैठकर दुर्गा मंदिर तक गए तत्पश्चात जयमाल का कार्यक्रम संपन्न हुआ।

जिसे देखकर सभी माताओं बहनों एवं आए हुए सभी सदस्यों की आंखें नम हो गई यूं लग रहा था मानो अपनी बेटी को ब्याह रहे है मुख्य अतिथि डॉक्टर कुमकुम स्वरूप विशिष्ट अतिथि सलिल विश्नोई अति विशिष्ट अतिथि अरुण पाठक, महेश त्रिवेदी वीना आर्य नीलिमा कटियार आदि ने सभी कन्याओं को आशीर्वाद दिया।

जय माल के बाद भोजन प्रारंभ हो गया और सभी सातों कन्याओं के एक साथ फेरे विधिवत मंत्रोच्चारण के साथ संपन्न हुए बड़ा ही भव्य स्वरूप नजर आ रहा था सभी लोग हर्षोल्लास के साथ शामिल हुए आवर हेल्पिंग एंड फाउंडेशन के अध्यक्ष आदित्य पोद्दार ने बताया कि यह उनका संकल्प है विगत 2 सालों से सामूहिक विवाह करा रहे हैं ।

जिसमें इस बार अ. भा.वैश्य महासंगठन जिला कानपुर सहयोगी के रुप में शामिल हुआ जिसके प्रधान महामंत्री राजीव अग्रवाल ने बताया इस प्रकार के आयोजन अपने समाज में होते रहने चाहिए जिससे हम उन मजबूर लोगों की मदद कर सकते हैं। हेल्पिंग एंड फाउंडेशन के संरक्षक गिरिराज अग्रवाल संयोजक ओमप्रकाश अग्रवाल, स्वागत अध्यक्ष राम कुमार जिंदल, गोपाल तुलसियान, राम गोपाल तुलसियान, सुभाष खन्ना, अनिल जैन, अनिरुद्ध पोद्दार वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक जोहरी कोषाध्यक्ष वेद प्रकाश अग्रवाल सभी ने कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और कन्याओं को आशीर्वाद दिया विजयलक्ष्मी यादव ने सभी कन्याओं को भेंट स्वरूप अलमारियां दी और धनपत जैन ने सभी कन्याओं को पलंग उपहार में दिए सभी कन्याओं को लहंगे मनोज गुप्ता छुआरे वालों ने दिए सुशील अग्रवाल जी ने सभी कन्याओं को भी उपहार दिए कल दिनांक 4 तारीख को सभी कन्याओं के मेहंदी भी लगी और महिला संगीत का कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ सभी महिला मित्रों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया अ. भा.वैश्य महासंगठन जिला कानपुर की महिला अध्यक्ष विनीता अग्रवाल ने बताया आपस में एकजुट होकर किसी भी संकल्प को आसानी से पूरा कर सकते हैं हेल्पिंग एंड फाउंडेशन की महासचिव सुरभि द्विवेदी ने सभी कन्याओं को आशीर्वाद दिया और उनके मंगलमय जीवन के लिए शुभकामनाएं दी विशिष्ट सहयोगी एवं अवर हेल्पिंग हैंड फाउंडेशन का संरक्षक मंडल अ. भा.वैश्य महासंगठन जिला कानपुर के अध्यक्ष दीपक अग्रवाल गिरधर महेश्वरी अनूप गुप्ता विपुल गोयल सुनील अग्रवाल विनीत अग्रवाल,दिलीप कुमार मिश्रा, ममता मिश्रा, अमित गुप्ता एकता महेश्वरी ,सीमा गुप्ता मेनका गुप्ता, शालू चौधरी, प्रियंका महेश्वरी ,प्रतिभा झांझरिया, इला बाजपेई, दीप्ति शर्मा कृष्णा शर्मा,जया शुक्ला जया गुप्ता गौरी गुप्ता सुपर्णा मिश्रा कविता गोस्वामी संगीता पाल प्रवीण बिश्नोई उपेंद्र यादव अलंकार सक्सेना नम्रता गुप्ता आदि लोग मौजूद रहे।

हैलट अस्पताल में नर्स द्वारा गलत इंजेक्शन लगाने से आटो चालक की मौत

बाइक ने टक्कर मारी थी जिससे पैर हुआ था फ्रैक्कर

बीपीएस न्यूज

कानपुर। हैलट अस्पताल में दुर्घटनाग्रस्त हालत में आए मरीज को नर्स द्वारा गलत इंजेक्शन गलाये जाने पर उसकी मौत हो गई। जब परिजनो ने डाक्टर से इंजेक्शन मांगा तो उन्होंने देने से इंकार कर दिया। जिसको लेकर डॉ. और मुतक के परिजनो में मारपीट भी हो गई।किसी तरह परिजनो ने डाक्टर से इंजेक्शन ले लिया। उसकी फोटो सोशल मीडिया पर वायरल कर दी। घटना की सूचना पर जिलाधिकारी भी मौके पर पहुंचे और परिजनो को कार्यवाही का आश्वासन देकर उन्हें शांत करा मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।पीडित परिजनो ने इसकी शिकायत चौकी और अस्पताल प्रशासन के अधिकारियों को दी।

सकरावा कन्नौज निवासी ब्रजेश कुमार आटो चलाता था। उसके परिवार में उसकी पत्नी सपना और दो बच्चे है।

सपना ने बताया कि एक मार्च को ब्रजेश कुमार सडक के किनारे आटो लगाकर सवारियों उतार रहे थे, तभी पीछे से एक बाइक सवार ने टक्कर मार दी और बाइक का पहिया ब्रजेश के पैर पर चढ गया जिससे उसके पैर में फैक्कर हो गया। घायल अवस्था में ब्रजेश कुमार को देर रात हैलट अस्पताल लाया गया।उसे डाक्टरों ने वार्ड 17 बेड संख्या 11 पर उसे भर्ती कर उसका इलाज शुरू किया। परिजनो का आरोप है कि एक सप्ताह तक इलाज चलने के बाद शुक्रवार को नर्स ने ब्रजेश कुमार को सुरवेक और एमिकासिन सल्फेट का इंजेक्शन लगाया, जिससे कुछ ही देर में ब्रजेश की मौत हो गई। सुरवेक एनाथिसीया और एमिकासिन बैकटेरिया इंफेक्शन में काम आता है।

अब सवाल उठता है कि ओटी के अलावा वार्ड में एनाथिसीया का इंजेक्शन लगाने की क्या जरूरत पड गई। हालंकि, प्राचार्य का कहना है कि यह इंजेक्शन उनके अस्पताल का नही है। मामले की जांच करवायी जा रही है। वहीं सूचना पर जिलाधिकारी भी मौके पर पहुंचे और उन्होंने कार्यवाही करने का आश्वासन दे मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह को मातृ शोक

बीपीएस न्यूज

कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह की माता लीलावती सिंह (पत्नी परमहंस सिंह) का 8 मार्च की सायं काल निधन हो गया। वे लगभग 86 वर्ष की थी। और पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रही थी। लखनऊ के एक अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था इलाज के दौरान ही वे बुधवार की सायं गोलोकवासी हो गई। वे अपने पीछे पति परमहंस सिंह,दो पुत्रों समेत भरा पूरा परिवार छोड़ गई हैं। उनका अंतिम संस्कार अयोध्या के सरयू नदी स्थित नया घाट पर बृहस्पतिवार को हुआ। कुलपति की माता के देहावसान पर विश्व विद्यालय परिवार ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है। तथा दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हुए शोक संतृप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

समाज में फैली बुराइयों को रोकना नशा जैसी गलत आदतों से लोगों को जागरुक करना

बीपीएस न्यूज

कानपुर। अखिल भारतीय सर्वधर्म महासभा एवं कुल हिंद जमीअतुल आवाम के संयुक्त के तत्वावधान में चलाए जा रहे समाज में जागरुकता पैदा करने के लिए अपराध मुक्त नशा मुक्त समाज जागरुकता अभियान की दूसरी पारी की शुरुआत शहर की घनी मुस्लिम आबादी कुली बाज़ार से की गई जहां जुमे की नमाज़ के बाद सैकड़ों की संख्या में लोगों ने नशा मुक्त अपराध मुक्त समाज को लेकर जागरुकता अभियान चलाते हुए रैली निकाली अखिल भारतीय सर्वधर्म महासभा एवं कुल हिंद जमीअतुल आवाम के द्वारा शहर भर के अलग-अलग हिस्सों में अपराध मुक्त नशा मुक्त समाज जागरुकता रैली निकाले जाने का संकल्प लिया गया था पहली जागरुक रैली किदवईनगर इलाके में हुई थी उसी कड़ी में आज कुली बाज़ार स्थित मस्जिद कारी अब्दुल समी से कुली बाज़ार व आसपास के विभिन्न इलाकों में घूमी।शहर काजी कानपुर मुफ्ती साकिब अदीब मिस्बाही ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हम सबको जागरुक होने की जरूरत है और हर तरह की बुराइयों का खुलकर विरोध करना चाहिए क्योंकि हमारा मजहब भी बुराइयों को रोकने और अच्छे काम करने का निर्देश देता है शराब जैसी बुराई जो लोगों में आम होती जा रही है उस पर हमें अपने बच्चों को जागरुक करने की ज़रुत है शराब गलत कामों की माँ की तरह होती है इसी से सारी बुराइयां पैदा होती हैं नशा हर तरह से नाजायज़ है किसी सूरत में भी अपनी औलाद को नशे के पास मत जाने दो इससे समाज कमजोर होता है और पूरी पूरी नस्लें बर्बाद हो जाती हैं जागरुकता रैली का नेतृत्व कर रहे कार्यक्रम आयोजक सर्वधर्म महासभा एवं कुल हिंद जमीअतुल आवाम के महामंत्री महबूब आलम खान ने कहा कि समाज में बुराइयां आम होती जा रही हैं जिसको देखते हुए लोगों को जागरुक करने के मकसद से यह अभियान छेड़ा गया है जिसमें सर्वधर्म के लोग हिंदू मुस्लिम सिख ईसाई सभी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं और समाज में फैली कुरीतियों को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं लोगों का सहयोग भी बराबर मिल रहा है हमारे संगठन का मकसद समाज में फैली बुराइयों को रोकना नशा जैसी गलत आदतों से लोगों को जागरुक करना है ताकि नशे की बिना पर परिवार तभा और बर्बाद हो जाते हैं साथ ही नशे से पीड़ित लोग अपराध की दुनिया में कदम रखते हैं हमें अपने आसपास बसने वाले लोगों को समझाना होगा कि नशा हर तरह का हराम है चाहे वह शराब हो या फिर सट्टा जुआ यह सब चीजों से हंसता खेलता परिवार बर्बाद हो जाते हैं हमें अपनी नस्लों की हिफाजत स्वयं करनी होगी और जागरुक भी करना होगा नशा आदि चीजों से दूर रहें और अपने भविष्य को उज्जवल बनाएं जिससे देश की तरक्की में अपना योगदान अदा कर सकें हमारा मुल्क भारत विश्व गुरु बनने की ओर दुनियां के विकसित देशों के साथ कदमताल कर सके और दुनिया भर में हमारे देश का नाम रोशन हो रैली में बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया और लोगों को जागरुक किया जिसमें मुख्य रुप से शहर काजी कानपुर मुफ्ती साकिब अदीब मिस्बाही मुख्य महामंत्री महबूब आलम खान, कारी सगीर आलम हबीबी, उपाध्यक्ष इस्लाम खान आजाद, सरदार राजेंद्र सिंह नीटा, शेख समसुद्दीन सिद्दीकी, पंडित राजेश मिश्रा, अखलाक अहमद चिश्ती, महताब अंसारी, फैज उल नबी, अफजाल अहमद चिश्ती, काजी समीउल्लाह, नसीम शीशे वाले शाहिद खान लालू हाजी अफजाल चौधरी मोहम्मद आरिफ अत्तारी रजवी रईस अख्तर जब्बार पहलवान शमीम सीमा इजहार जावेद अशफाक गुलाम नबी आदि मौजूद रहे।

इंदु प्रजाति की अलसी फसल का किया अवलोकन

बीपीएस न्यूज

घाटमपुर। अखिल भारतीय अलसी के अंतिम पंक्ति प्रदर्शन इंदु प्रजाति के प्रदर्शन के लिए चंद्रशेखर आजाद कृषि प्रौद्योगिकी विश्व विद्यालय कानपुर द्वारा 10 मार्च शुक्रवार को ब्लाक के अज्योरी गांव में खड़ी इंदु प्रजाति की फसल को देख किसान को प्रोत्साहित करते हुए प्रोफेसर महक सिंह, प्रभारी एक्रिफ अलसी डा. नलिनी तिवारी, अभिजनक अलसी, डा. डी के सिंह, सह प्राध्यापक फसल सुरक्षा डा. सुशील सोनी द्वारा शशि प्रजापति के खेत में खड़ी अलसी फसल का अवलोकन कर अलसी की उपयोगिता एवं उन्नति के संबंध में बृहद जानकारी देते हुए आगामी रबी फसल नव विकसित प्रजातियों के प्रदर्शनी कलस्टर के रूप में लगाने मौजूद किसानों को प्रेरित किया इस बीच मौके पर किसान शिवपाल कुशवाहा, देवी प्रसाद, निषाद हरी, प्रकाश पाण्डेय, छोटे लाल सचान, चिनकवा निषाद, ओम प्रकाश यादव आदि किसान मौजूद रहे।

बहुप्रतीक्षित मार्च पास्ट किया प्रस्तुत

कानपुर। औद्योगिक सुरक्षा बल इकाई पीटीपीएस पनकी में 54वां केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल स्थापना दिवस बड़ी ही धूमधाम से मनाया गया इस कार्यक्रम का आयोजन प्रशांत द्विवेदी, उप-कमाण्डेन्ट के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि रवि प्रकाश सक्सेना, मुख्य महाप्रबंधक पीटीपीएस पनकी रहे। कार्यक्रम की शुरुआत इकाई प्रभारी को सलामी शस्त्र देकर की गयी। तदुपरान्त मुख्य अतिथि के द्वारा परेड का निरीक्षण किया गया। तत्पश्चात परेड कमांडर निरीक्षक सुनील कुमार पान्डेय के नेतृत्व में 2 मजबूत टुकड़ियों के साथ बहुप्रतीक्षित मार्च पास्ट प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात इकाई प्रभारी द्वारा केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल का भारतीय सुरक्षा में महत्त्व और योगदान के बारे में बताया गया। इसके अतिरिक्त इस कार्यक्रम मे सीआईएसएफ कर्मियों के द्वारा कुशलता एवं दक्षता का प्रदर्शन करते हुए एक उच्च मानक रिफ्लैक्स शूटिंग डेमो का भी प्रदर्शन किया गया।

दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग ने बांटी 45 ट्राईसाईकिल

बीपीएस न्यूज

कानपुर। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा संचालित कृतिम अंग सहायक उपकरण योजना के अन्तर्गत आज उनकी आवश्यकतानुसार 45 ट्राई साईकिल, 05 व्हील चेयर, 05 बैसाखी वितरित की गयी। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी विनय उत्तम ने मुख्य अतिथि सुरेन्द्र मैथानी का स्वागत किया। वीरेन्द्र कुमार ने मंच का संचालन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप मे विधायक सुरेन्द मैथानी ने अपने सम्बोधन मे कहा की सरकार दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशील है। दिव्यांगजन को समाज में बराबरी का दर्जा मिले इसके लिए प्रयासरत है। विधायक सुरेन्द्र मैथानी ने कहा की दिव्यांगजन को जहाँ मेरी जरूरत महसूस हो हमे याद करें। हम आपकी सेवा के लिए सदैव तत्पर है। सरकार दिव्यांगजन के उत्थान के लिए कृत संकल्प है। कार्यक्रम में दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी विनय उत्तम ने सरकार की योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया की सरकार दिव्यांगजन को विवाह पुरस्कार के रूप में दोनों व्यक्तियों के दिव्यांग होने पर 35 हजार रूपया, रोजगार के लिए दुकान संचालन के लिए दस हजार रूपया, दुकान निर्माण के लिए बीस हजार रूपया देती है। दिव्यांग पेंशन के लिए प्रति माह 1000 रूपया दिव्यांगजनों को सरकार की तरफ से मिलते हैं।

जो दिव्यांगजन ट्राईसाईकिल व अन्य योजनाओं का लाभ लेना चाहते है वो तत्काल सम्पर्क कर सकते है। कार्यक्रम में जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी विनय उत्तम वीरेन्द्र कुमार, अध्यक्ष विकलांग एसोसिएशन, हृदेश सिंह, संयोजक भाजपा दिव्यांग प्रकोष्ठ एवं जिला कार्यालय के प्रशान्त कुमार, गोविन्द, राहुल कुमार, अल्पना कुमारी आदि उपस्थित थे।

संदिग्ध परिस्थितियों पर हुई युवक की मौत

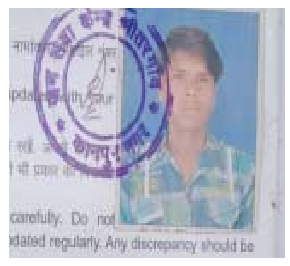

बीपीएस न्यूज

घाटमपुर। साढ़ थाना क्षेत्र के बारीगाव निवासी वीरेंद्र कोरी का 25 वर्षीय बेटा सर्वेश कोरी अविवाहित है। सर्वेश पांच भाई है, जिनमें वह चौथे नम्बर का था। बताया की सर्वेश मजदूरी करके जीवन यापन करता था। शुक्रवार देर रात सर्वेश शराब के नशे में इधर उधर टहल रहा था, ग्रामीणों ने परिजनों को बताया तो परिजन युवक को पकड़कर घर पर ले आए यहां पर घर के बाहर पड़ी चारपाई पर लेटा दिया। जिसके बाद शनिवार सुबह परिजनों ने लगाया पर युवक नही उठा, युवक की चारपाई पर लेटे हुए संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। परिजनों ने पुलिस को घटना की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी जुटाने के साथ युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस घटना की जांच में जुटी है।

इंफ्लूएंजा-ए का कहर बढ़ा, पीड़ित मरीजों की संख्या 100 के पार पहुंची

♦ फेफड़ों और सांस की नली में फैला संक्रमण

बीपीएस न्यूज

कानपुर। इंफ्लूएंजा-ए के सब टाइप इंफ्लूएंजा (एच 3 एन 2 वायरस) का कहर बढ़ता जा रहा है। कानपुर में इंफ्लूएंजा-ए के मामले तेजी से बढ़े हैं। बीते 5 दिनों में कानपुर में वायरस से पीड़ित मरीजों की संख्या 100 के पार पहुंच गई है। 23 गंभीर मरीजों को कानपुर के हैलट हॉस्पिटल में आईसीयू में भर्ती किया गया है। इसमें 3 मरीज वेंटीलेटर पर हैं।

कानपुर मेडिकल कॉलेज की कार्यवाहक प्राचार्य प्रो. रिचा गिरी के मुताबिक रोजाना इमरजेंसी में करीब 15 से 20 मरीज हैलट इमरजेंसी में एडमिट हो रहे हैं। इन्हें फेफड़ों और सांस की नली में संक्रमण के चलते सांस लेने में दिक्कत हो रही है।

फेफड़ों में पाया गया संक्रमण

प्रो. रिचा गिरी ने बताया कि मरीजों की केस हिस्ट्री तैयार की गई है, सभी को 15 से ज्यादा दिनों से खांसी, जुकाम और बुखार था। इसके बाद सभी को सांस लेने में दिक्कत हो रही है। एक्स-रे कराने पर फेफड़ों में संक्रमण पाया गया है। 23 मरीजों की स्थिति देखते हुए आईसीयू और एचडीयू में एडमिट कराया गया है। कानपुर में इन्फ्लूएंजा-ए वायरस का हमला होने के बाद भी जांच की सुविधा नहीं है। कार्यवाहक प्राचार्य के मुताबिक प्रदेश में अभी इसकी जांच सिर्फ लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी यानी केजीएमयू की आईसीएमआर लैब में ही हो रही है। हैलट मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर डॉ. जेएस कुशवाहा की इमरजेंसी में रोगियों को भर्ती किया जा रहा है।

क्लीन कैंपस, ग्रीन कैंपस अभियान का शुभारंभ

बीपीएस न्यूज कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में क्लीन कैंपस ग्रीन कैंपस अभियान सफलतापूर्वक संचालित किया गया। कैंपस को पर्यावरण अनकूल बनाने वाली मुहिम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने खुद साइकिल चला कर की।

विवि के राष्ट्रीय कैडेट कोर आर्मी विंग एवं एयर विंग के कैडेटों ने पर्यावरण के प्रति जागरूकता लाने के लिए शनिवार को नो वहिकल डे अभियान का आयोजन किया था। उसी अभियान के तहत विवि में दिन भर के लिए साइकिल और ई रिक्शा छोड़कर बाकी के वाहनों को चलाने पर रोक लगाई गई थी। इस मुहीम में प्रति कुलपति प्रोफेसर सुधीर कुमार अवस्थी, कुलसचिव डाक्टर अनिल कुमार यादव सहित सभी विभागों के शिक्षकों ने पैदल और साइकिल से यूनिवर्सिटी कैंपस आकर इस मुहीम में सहयोग किया7 मुहीम को सफल बनाने में एन सी सी कैडेटों के साथ एन सी सी इनचार्ज आर्मी विंग मयूरी सिंह, एन सी सी इनचार्ज एयर विंग डॉ अंकित त्रिवेदी, चीफ प्रोक्टर डॉ प्रवीन कटियार, डी एस डब्लू नीरज कुमार सिंह, चीफ सिक्योरिटी ओफीसर डॉ विनोद वर्मा, विभागाध्यक्ष फिजिकल एजुकेशन डॉ आशीश कुमार दुबे का भी सहयोग रहा। विश्वविद्यालय के शिक्षकों और छात्रों ने भी इस अभियान में अपनी सक्रिय सहभागिता दर्ज कराई।

डॉक्टर इशरत सिद्दीकी को कानपुर प्रेस क्लब में दी गई श्रद्धांजलि

बीपीएस न्यूज

कानपुर। श्री सिद्दीकी का निधन 6 मार्च को हो गया था वह भी प्रेस क्लब के संरक्षक थे ।

इस बिना पर आज प्रेस क्लब के संरक्षक शरद बाजपेई के आवाहन पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन प्रेस क्लब में किया गया इस अवसर पर वक्ताओं में इरफान सिद्दीकी इकलाख अहमद इब्ने हसन जैदी शाहिद जमाल नियाजी सरस बाजपेई आदि ने अपने विचार व्यक्त किए इस मौके पर शरस बाजपेई ने कहा कि वह एक अच्छे शख्स थे जिन्होंने बड़ी निर्भीकता और भाईचारे से काम कर अपनी पहचान बनाई वह हमेशा याद रहेंगे ।

उन्होंने यह भी कहा कि हर वर्ष उनकी याद में एक कवि सम्मेलन व मुशायरे का आयोजन किया जाएगा इस अवसर पर एक व्यक्ति को सम्मानित किया जाएगा श्रद्धांजलि सभा में इरफान सिद्दीकी ज्ञानेंद्र मिश्रा कुशाग्र पांडे वेद गुप्ता शिवराज साहू राजेश कश्यप संजीव शुक्ला, दीपक सिंह आदि लोग उपस्थित थे।

झगड़े के बाद दंपती ने फंदा लगाकर दी जान

बीपीएस न्यूज

इटावा जिले में भरथना के दासीपुरा गांव में कर्ज में दबे युवक का पत्नी से शनिवार रात विवाद हो गया। बात इतनी बिगड़ी कि पत्नी ने फंदा लगाकर जान दे दी। पत्नी का शव फंदे पर लटका देख पति ने भी घर से कुछ दूर पेड़ से फंदे के सहारे लटककर जान दे दी। सुबह घटना की जानकारी पर सीओ और भरथना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की ।फोरेंसिक टीम ने भी साक्ष्य जुटाए हैं। दासीपुरा गांव निवासी राजू (39) के पास करीब पांच बीघा जमीन थी। सेंट्रल बैंक से उसने किसान क्रेडिट कार्ड ले रखा था। इस कार्ड से उसने चार लाख रुपये खर्च कर डाले। इसके अलावा रिश्तेदारों और मित्रों से भी करीब तीन लाख रुपये कर्ज ले रखा था। कर्ज अदा न कर पाने के कारण बैंक और अन्य लोग आए दिन तकादा कर रहे थे। इसे लेकर पति-पत्नी के बीच आए दिन विवाद होता था ।शनिवार रात को भी दोनों के बीच विवाद हुआ। इसके बाद राजू घर से चला गया। कुछ देर बाद घर लौटा तो पत्नी शिखा देवी (36)सीओ विवेक जावला, कोतवाल विद्यासागर सिंह आदि मौके पर पहुंचे।

बोर्ड परीक्षा होने के चलते पुलिस ने की छात्रों पर रंग नहीं डालने की अपील

कानपुर। कानपुर में गंगा मेला पर सीबीएसई और आईसीएसई की बोर्ड परीक्षा होने के चलते पुलिस ने शनिवार को अलर्ट जारी किया है। पुलिस ने पब्लिक से अपील की है कि छात्रों पर रंग नहीं डालें। इससे कि उन्हें केंद्र तक पहुंचने में किसी तरह की कोई असुविधा नहीं हो। गंगा मेला सिर्फ कानपुर में मनाया जाता है। इसके चलते गंगा मेला पर अवकाश नहीं है ।ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर आनंद प्रकाश तिवारी ने बताया कि 13 मार्च को गंगा मेला है। इस मौके पर कानपुर में होली से भी ज्यादा रंग खेला जाता है। इतना ही नहीं गंगा मेला पर हटिया से रंगों का ठेला भी निकाला जाता है। इसी दिन सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड के स्टूडेंट की परीक्षाएं भी हैं। इसके चलते कानपुर पुलिस कमिश्नरेट ने पब्लिक को अलर्ट किया है ।अपील की है कि परीक्षा देने जाने के दौरान किसी छात्र-छात्राओं पर रंग नहीं पड़े। उनकी मनोदशा पर किसी भी तरह का नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़े। सेंटर के आसपास लाउड स्पीकर नहीं बजाए। इससे कि छात्रों को परीक्षा देने में कोई असुविधा नहीं हो।

उर्द-मूंग उत्पादन तकनीक पर हुआ एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण

बीपीएस न्यूज

कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉक्टर बिजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में आज विश्वविद्यालय के दलहन अनुभाग द्वारा ग्राम तरी पाठकपुर विकासखंड चौबेपुर में एक जायद दलहन गोष्ठी आयोजित की गई।

इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसानों को फसल बुवाई पूर्व मृदा परीक्षण के बारीकियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। दलहन वैज्ञानिक डॉ मनोज कटियार ने दलहन फसलों जैसे-मूंग, उर्द आदि की उन्नतशील प्रजातियों के बारे में विस्तार से किसानों को बताया। उन्होंने मूंग की उन्नतशील प्रजातियां श्वेता, विराट, शिखा, आई पी एम 2-3, कनिका, एवं उर्द की शेखर-1, शेखर-2, आई पी यू 13-1, आई पी यू 11-2 आदि के बारे में किसानों को जानकारी दी। इस अवसर पर उप निदेशक बीज प्रमाणीकरण संस्था कानपुर डॉ. मुख्तयार सिंह ने किसान भाइयों को बीज उत्पादन तकनीक एवं बीज प्रमाणीकरण विधि के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि दलहनी फसलों में जैव उर्वरकों के प्रयोग करने से पचीस प्रतिशत तक वृद्धि होती है। इस अवसर पर डा. मुख्यार सिंह ने उर्द एवं मूंग फसलों में लगने वाले कीट एवं रोग प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा किसानों द्वारा पूछे के विभिन्न प्रकार के प्रश्नों का उत्तर दिया। शस्य विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ डी डी यादव ने किसानों को उर्वरक प्रबंधन के विषय में बताया। उन्होंने कहा कि किसान भाई हमेशा दलहनी फसलों में संतुलित उर्वरक प्रबंधन अवश्य करें। डॉक्टर हरिश्चंद्र ने खाद्यान्न फसलों के बारे में किसानों को जानकारी से अवगत कराया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम के मलखान सिंह ने की। जबकि मुख्य अतिथि उपनिदेशक बीज प्रमाणीकरण संस्था कानपुर डॉक्टर मुख्तियार सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यक्रम अध्यक्ष ने किसानों से अपील की है।

कि वे वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई तकनीकों को अपनाएं जिससे हुए अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकें ।कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ खलील खान द्वारा किया गया। इस अवसर पर विजय सिंह चंदेल, सुरेश सिंह कमलकांत, राजेश पाल एवं कृष्ण पाल सिंह सहित सहित क्षेत्र के एक सैकड़ा से अधिक किसानों ने प्रतिभाग किया।

शहर आएंगे बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री

कानपुर । बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री ने वीडियो जारी कर कानपुर आने की पुष्टि की है। बताया कि कथा सचेंडी थाने के बगल खाली पड़ी जमीन पर पंडाल में होगी। यह धीरेंद्र शास्त्री का शहर में पहली बार आगमन होगा। 17 से 27 अप्रैल तक कानपुर में हनुमत कथा कहेंगे। यह जानकारी राष्ट्रीय गोरक्षा वाहिनी गोसेवा संघ के राष्ट्रीय मंत्री सुनील शुक्ला की ओर से दी गई है। इस संबंध में स्वयं धीरेंद्र शास्त्री ने भी वीडियो जारी कर कानपुर आने की पुष्टि की है।

ढाबा से ट्रक चोरी, घाटमपुर में एक्सीडेंट कर छोड़कर भागा चोर

बीपीएस न्यूज

घाटमपुर। ट्रक चालक इमरान पुत्र खालिक ने बताया कि वह अपने साथी क्लीनर सलमान पुत्र बाबू के साथ शुक्रवार देर रात गाड़ी खाली करके वापस घाटमपुर आ रहे थे, तभी घाटमपुर थाना क्षेत्र के धरमपुर बंबा स्थित एक ढाबा में हाइवे किनारे ट्रक खड़ा करके ड्राइवर और क्लीनर खाना खाने लगे। उन्होंने ट्रक में चाभी लगी छोड़ दी। इस दौरान अज्ञात चोर ट्रक लेकर घाटमपुर की ओर भाग निकला। जब ड्राइवर ने ढाबा के किनारे ट्रक खड़ा नही देखा तो चोरी होने की सूचना फोनकर ट्रक मालिक रहीस को दी।

चोरी होने की सूचना मिलते ही ट्रक मालिक ने ट्रक में लगे जीपीएस को ट्रेस किया तो ट्रक की लोकेशन जहांगीरबाद थी, ट्रक घाटमपुर की ओर बड़ रहा था, जिसपर उन्होंने गाड़ी से ट्रक का पीछा किया तो नगर स्थित कूष्मांडा देवी मंदिर के पास ट्रक मिल गया, जिसपर उन्होंने ट्रक चला रहे चोर को आवाज लगाकर ट्रक रोकने को कहा पर, पर अज्ञात चोर ट्रक को तेजी से हमीरपुर की ओर लेकर भागा तभी घाटमपुर नगर स्थित एक पेट्रोल पंप में डीजल डलवाने के लिए जा रहे डंपर में पीछे से जा घुसा। हादसे के बाद अज्ञात चोर ट्रक छोड़कर मौके से भाग निकला। सूचना पर पहुंची कस्बा पुलिस ने घटना की जांच पड़ताल की है। मामले में घाटमपुर थानाध्यक्ष अशोक कुमार दुबे ने बताया कि घटना संदिग्ध लग रही है। जांच की जा रही है। तहरीर के आधार पर विधिक कार्यवाही की जायेगी।

थाना परिसर में बने मंदिर पर आचार्य ने कराया विवाह

बीपीएस न्यूज

कानपुर। समाधान दिवस पर शादी न होने की शिकायत करने पहुँची युवती की थाने में ही करा दी शादी थानाध्यक्ष ने जिंदगी भर के लिये कर दिया समाधान झारखंड का लड़का और बिहार की लड़की की करा दी शादी एक वर्ष से दोनों एक दूसरे से करते थे प्यार लड़के का पिता व लड़की का भाई कर रहा था विरोध थाना दिवस पर दोनों की शिकायत करने पहुँची थी युवती थानाध्यक्ष ने दोनों परिवारों को समझा बुझा कर थाने में ही करा थी शादी आचार्य को बुलाकर बेदमंत्रो से दोनों को माला पहनाकर करा दी शादी चौबेपुर थाना परिसर में बने मंदिर में विवाह सम्पन्न हो गया उपस्थित पुलिस जनों आर्शीवाद प्रदान कर बधाई दी।

रेप कांड में मोबाइल खोलेगा राज

कानपुर। डॉक्टर दम्पत्ति की बेटी के साथ रेप की घटना में पुलिस अब सोशल एकाउंट समेत सीडीआर निकाल कर पूरे मामले की तह तक जायेगी। सूत्रों के अनुसार जिस अजय ठाकुर को पुलिस खोज रही है वह अपने साथियों और सफेदपोश लोगों के जरिये पुलिस तक विनय ठाकुर और युवती के सम्बंधों को लेकर पोस्ट, फोटो भेज कर भ्रमित कर रहा है। हालाकिं डीसीपी ने साफ तौर पर कहा कि इस मामले में हिस्ट्रीशीटर की तलाश की जा रही है। बर्रा में डॉक्टर की बेटी से दुराचार के मामले में मुख्य आरोपी व उसके एक साथी को जेल भेजने के बाद पुलिस ने पूरे मामले की अहम कड़ी अजय ठाकुर को दबोचने के लिये कई क्षेत्रों में दबिश दी। इस बीच भाजपा नेताओं के साथ अजय ठाकुर की पोस्ट वायरल होने के बाद विपक्ष ने जिस प्रकार मुददा बनाया है उसके बाद अजय का बचना मुशकिल होता जा रहा है। वहीं भाजपा नेताओं ने भी सीधे तौर पर उससे पल्ला झाड़ लिया है। किशोरी को बर्रा के एक कैफे में ले जाकर किशोरी के साथ फिर से रेप किया, मारपीट की। इस मामले में मुख्य आरोपी विनय ठाकुर, अजय ठाकुर, समेत चार लोगों को नामजद कराया गया था। इस बाबत डीसीपी सलमान ताज पाटिल ने बताया कि आरोपियों में से दो की गिरफ्तारी हो चुकी है बाकी के दो आरोपियों को पकड़ने के लिये दबिशे जारी है। बता दे इससे पूर्व अजय ठाकुर ने एक वीडियों पोस्ट कर रेप की घटना को गलत बताया था। साथ ही किशोरी की कुछ चैटिंग भी पोस्ट की थी।

एसटीएफ ने साढ़े आठ किलो चरस के साथ दो तस्कर दबोचे

कानपुर। एसटीएफ की लखनऊ यूनिट ने शनिवार को बिल्हौर के मकनपुर मोड़ के पास से साढ़े आठ किलो चरस के साथ दो तस्करों को दबोच लिया। एक साथी डेढ़ किलो चरस लेकर फरार हो गया। आरोपी बिहार से चरस लाकर शहर और आसपास के जिलों में सप्लाई करते थे। साढ़े आठ किलो चरस करीब 45 लाख की बताई जा रही है ।लखनऊ एसटीएफ के डिप्टी एसपी अवनीश्वर चंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि अंतरराज्यीय तस्करों द्वारा बिहार से चरस लाने की सूचनाएं मिल रही थीं।

जानिए मंकीपॉक्स के लक्षण

- बुखार के साथ त्वचा पर निशान।
- त्वचा पर लाल चखते बन जाना।
- जानवर से इंसान में फैलती है ये बीमारी।
- जिन लोगों के शरीर में चखते का कारण पता नहीं चले, उसकी तुरंत जांच कराएं।
- अफ्रीकी देशों से आनेवाले लोगों की जांच कराएं।
- इस बीमारी के कारण सिरदर्द भी होता है।
- मासंपेशियों में दर्द हो सकता है।
- पीठ व जोड़ों में दर्द की समस्या हो सकती है।
- अक्सर थकान महसूस होना कमजोरी लगना।

कोरोना संक्रमण के बीच मंकीपॉक्स भी अपने खतरे फैला रहा है, लेकिन इस वायरस का खतरा किन्हें ज्यादा है, यह जानना भी जरूरी है।मंकीपॉक्स से बचने के लिए भी हाई इम्युनिटी की जरूरत है। हाई इम्युनिटी से मंकीपॉक्स के खतरे को कम किया जा सकता है, लेकिन वायरस से बचने की आशंका कम होगी।

इनको होगा ज्यादा खतरा

एक में छह महीने से छोटे बच्चों में मंकीपॉक्स का खतरा ज्यादा हो सकता है। वहीं बड़े वयस्क भी इसकी चपेट में आ सकते हैं। बहुत छोटे बच्चों में इम्युनिटी कम होगी और बड़े वयस्क को चेचक के टीके नहीं लगे होंगे। इसलिए इनमें खतरा ज्याद होगा।

बूढ़े लोग पर खतरा

जानिए क्यों होगा कम

जबकि बूढ़े लोगों में मंकीपॉक्स होने पर खतरा ज्यादा नहीं होगा क्योंकि से दशकों पुराने चेचक के टीके से वे कुछ हद तक सुरक्षित हैं। टीका लगवाने वाले वृद्ध वयस्क संक्रमित हो सकते हैं, लेकिन उनके केवल हल्के लक्षणों के साथ बचने की संभावना ज्यादा रहेगी।

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑन एजिंग के वैज्ञानिक निदेशक डॉ लुइगी फेरुची का कहना है कि जिन लोगों को कई दशकों पहले चेचक का टीका लगाया गया था, वे बहुत ही उच्च स्तर के एंटीबॉडी अब भी रखते हैं। भले ही उन्हें 50 साल पहले टीका क्यों न लगा हो। हालांकि वायरस का अटैक उन पर भी हो सकता है, लेकिन खतरा कम होगा।

चौलाई के फायदे जानकर आप भी हो जाएंगे हैरान

चौलाई के साग का सेवन करना स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है। चौलाई का साग कई सारे पोषक तत्व के गुणों से भरपूर होता है। हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए चौलाई के साग का सेवन करना फायदेमंद होता है।चौलाई का सेवन करने से सेहत को कई तरह के लाभ मिलते हैं। चौलाई का साग कई प्रकार के औषधीय गुणों से भरपूर होता है। चौलाई को लाल साग भी कहते हैं। चौलाई एक ऐसा साग है जो की लाल और हरे दोनों ही रंग में आता है। चौलाई खाने में स्वादिष्ट होने के साथ-साथ सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है। चौलाई के साग कई सारे पोषक तत्वों के गुणों से भरपूर होता है। साथ ही इसमें विटामिन ए, विटामिन बी, विटामिन सी, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, आयरन और कैल्शियम जैसे तत्त्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो स्वास्थ्य से जुड़ी कई सारी समस्याओं को दूर करने में मदद करते हैं। चौलाई का साग इम्यूनिटी सिस्टम को मजबूत बनाने में मदद करता है।साथ ही हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए चौलाई के साग का सेवन करना फायदेमंद होता है।तो आइए जानते हैं चौलाई के साग का सेवन करने से सेहत को मिलने वाले फायदे के बारे में

चौलाई के फायदे-इम्यूनिटी सिस्टम को मजबूत बनाने के लिए चौलाई के साग का सेवन करना बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। चौलाई के साग में विटामिन सी और प्रोटीन भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो इम्यूनिटी सिस्टम को मजबूत करने में मदद करता है। साथ ही ये शरीर को संक्रमण से बचाने में मदद करता है।

हड्डियों को मजबूत बनाने में फायदेमंद-हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए चौलाई के साग का सेवन करना बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। चौलाई के साग में कैल्शियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है।कैल्शियम की कमी होने पर हड्डियां कमजोर होने लगती है, ऐसे में चौलाई के साग का सेवन करना फायदेमंद होता है।

कब्ज की समस्या को दूर करने में फायदेमंद

कब्ज की समस्या को दूर करने के लिए चौलाई के साग का सेवन करना बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। चौलाई के साग में पाए जाने वाले तत्त्व कब्ज की समस्या को दूर करने में मदद करते हैं। इसलिए चौलाई के साग को उबाल कर इसके पानी में नमक मिला कर पीने से कब्ज दूर होती है तथा पेट दर्द में काफी आराम मिलता है।

पेट की ऐंठन और दर्द को दूर करने में फायदेमंद होता है हींग और घी

हींग और घी का एक साथ सेवन करना स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है। हींग और घी कई सारे पोषक तत्वों के गुणों से भरपूर होते है। हींग और घी का एक साथ सेवन करने से पेट संबंधित समस्याओं से राहत पाने में मदद मिलती है।

हींग और घी का सेवन करने से सेहत को कई तरह के लाभ मिलते हैं। हींग और घी कई सारे पोषक तत्वों के गुणों से भरपूर होता है। लेकिन जब हींग और घी का एक साथ सेवन करते है तो लाभ दोगुने बढ़ जाते हैं। घी में भरपूर मात्रा में विटामिन ए, विटामिन के, प्रोटीन और एंटीऑक्सीडेंट जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। तो वहीं हींग में प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम, फास्फेरस, आयरन, कैरोटीन, राइबोफ्लोविन और कार्बोहाइड्रेट के भरपूर गुण पाए जाते है, जो शरीर के लिए फायदेमंद होते हैं। हींग और घी का एक साथ सेवन करने से पेट से संबंधित समस्या दूर होती है। साथ ही इनका एक साथ सेवन करने से हड्डियों को मजबूती मिलती है। तो आइए जानते हैं हींग और घी का एक साथ सेवन करने से सेहत को मिलने वाले फायदे के बारे में

हींग और घी के फायदे

1. पेट की ऐंठन और दर्द से राहत दिलाने में फायदेमंद

पेट की ऐंठन और दर्द से राहत पाने के लिए हींग और घी का एक साथ सेवन करना बहुत ही फायदेमंद होता है। हींग और घी में फाइबर भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो पेट से संबंधित समस्याओं से राहत दिलाता है। इनका एक साथ सेवन करने से पेट की ऐंठन और दर्द से जल्द आराम मिलता है।

2. हड्डियों को मजबूत बनाने में फायदेमंद

हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए हींग और घी का एक साथ सेवन करना बहुत ही फायदेमंद होता है। हींग और घी में कैल्शियम पाया जाता है, जो हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है। साथ ही ये हड्डियों की सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है।

3. इम्यूनिटी सिस्टम को मजबूत बनाने में फायदेमंद

इम्यूनिटी सिस्टम को मजबूत बनाने के लिए हींग और घी का एक साथ सेवन करना बहुत ही फायदेमंद होता है। हींग और घी में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत करने में मदद करता है।

4. सिर दर्द से राहत दिलाने में फायदेमंद

सिर दर्द से राहत दिलाने पाने के लिए हींग और घी का एक साथ सेवन करना बहुत ही फायदेमंद होता है। क्योंकि हींग और घी में एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं।

शिकंजी पीने के भी हैं कमाल के फायदे, सेहत और स्किन के लिए होता है फायदेमंद

गर्मी के मौसम में शिकंजी का सेवन करने से सेहत को कई तरह के लाभ मिलते हैं।

शिकंजी गर्मियों के मौसम में शरीर को तरोताजा और हेल्दी रखने के लिए ये एक अच्छा ड्रिंक है। शिकंजी गर्मी के मौसम में एसिडिटी, जी मितलाना या खाना न पचने की समस्याएं से राहत दिलाने में मदद करता है। इसके अलावा शिकंजी सेहत के साथ-साथ स्किन के लिए भी बहुत ही फायदेमंद होता है। शिकंजी का सेवन करने से सेहत और स्किन से जुड़ी समस्याएं दूर होती हैं। साथ ही गर्मियों में डिहाइड्रेशन की समस्या से बचने में मदद मिलती है। तो आइए जानते हैं शिकंजी का सेवन करने से सेहत और स्किन को मिलने वाले फायदे के बारे में

शिकंजी पीने के फायदे

डिहाइड्रेशन की समस्या से बचने के लिए शिकंजी का सेवन करना बहुत ही फायदेमंद होता है। क्योंकि गर्मियों में सबसे ज्यादा जो समस्या होती है वो है डिहाइड्रेशन की। शरीर से पसीना आने और पानी की कमी के चलते शरीर को कई समस्याएं हो सकती है। गर्मियों में शिकंजी के सेवन से डिहाइड्रेशन की समस्या से बच सकते हैं।

तनाव को दूर करने में फायदेमंद

तनाव को दूर करने के लिए शिकंजी का सेवन करना बहुत ही फायदेमंद होता है। क्योंकि शिकंजी पीने से डिप्रेशन और तनाव से आराम मिलता है। कई रिसर्च में यह बात सामने आई है कि शरीर के हाइड्रेड रहने से तनाव से दूर रहने में मदद मिलती है। वहीं, शिकंजी में नींबू का इस्तेमाल होता है, जो आपको रिलेक्स रखने में कारगर है।

स्किन के लिए फायदेमंद

स्किन के लिए शिकंजी का सेवन करना बहुत ही फायदेमंद होता है। क्योंकि शिकंजी में नींबू का इस्तेमाल किया जाता है। नींबू विटामिन सी का अच्छा सोर्स है जो आपकी स्किन और सेहत दोनों के लिए फायदेमंद है। शिकंजी के सेवन से स्किन को गर्मी से होने वाली समस्याओं से बचा सकते हैं।

30 की उम्र में ढीली पड़ गई है त्वचा,तो स्किन टाइटइनिंग के लिए अपनाएं इन उपायों को

बढ़ती उम्र के साथ त्वचा में ढीलापन होने लग जाना, झुर्रियां, कसाव कम हो जाने जैसी अन्य समस्याएं होने लग जाती हैं, ऐसे में 30 के आस-पास त्वचा के ऊपर विशेष ध्यान देने कि जरूरत होती है ।जानिए बढ़ती उम्र में त्वचा को टाइट बना के रखना चाहते हैं तो कौन-कौन से घरेलू उपाय काम आ सकते हैं।

1.स्किन को टाइट बना के रखने के लिए डेली रूटीन में शामिल करें बादाम के तेल कोबादाम सेहत के लिए तो बेहतरीन होता है, साथ में त्वचा से जुड़ी कई समस्यायों को दूर करने में भी असरदार होता है। 30 की उम्र के आस-पास त्वचा को टाइट बना के रखना चाहते हैं तो रोजाना नरियल के तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए सोने से पहले आप इसके तेल का इस्तेमाल करें। ये त्वचा में कसाव लेकर आता है, वहीं इसमें मौजूद इमोलिएंट स्किन के मृत कोशिकाओं को दोबारा से जीवित करते हैं, इससे चेहरे में ग्लो आता है और ये स्किन टोन को भी बेहतर बनाता है ।2.नारियल तेल का करें इस्तेमालनारियल ही नहीं इसका तेल भी कई सारे पौष्टिक गुणों से भरपूर होते हैं, इसके इस्तेमाल के लिए आप सोने से पहले या नहाने के पहले नारियल तेल से अच्छे से फेस मसाज कर सकते हैं, इसमें कोलेजन की भरपूर मात्रा होती है, जो त्वचा में कसाव लेकर आती है ।3.स्किन टाइट करने के लिए टमाटर का करें इस्तेमालटमाटर का उपयोग खाने के स्वाद को बढ़ाने के लिए करते हैं, लेकिन क्या आपको पता है कि ये त्वचा को टाइट बना के रखने में भी मदद करता है,

ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मददगार होता है सफेद मिर्च

काली मिर्च का सेवन करना स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है। लेकिन काली मिर्च की तरह ही सफेद मिर्च का सेवन करने से भी सेहत को कई प्रकार के लाभ मिलते हैं। आयुर्वेद में सफेद मिर्च का इस्तेमाल औषधियों के रूप में किया जाता है। सफेद मिर्च में विटामिन ए, विटामिन सी, प्रोटीन, फाइबर, कार्बोहाइड्रेट, एनर्जी, कैल्शियम, पोटैशियम, मैग्नीशियम, और जिंक जैसे पोषक तत्वों के गुण पाए जाते हैं जो स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं को दूर करने में मदद करते हैं। सफेद मिर्च पेट की गैस से राहत दिलाने में मदद करता है। साथ ही ये ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में भी मददगार साबित होता है। इसके अलावा, सफेद मिर्च शरीर को कई बीमारियों से बचाव करने में मदद करता है। तो आइए जानते हैं सफेद मिर्च का सेवन करने से सेहत को मिलने वाले फायदे के बारे में

सफेद मिर्च के फायदे

ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में फायदेमंद

ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने के लिए सफेद मिर्च का सेवन करना बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। क्योंकि सफेद मिर्च में एंटी डायबिटिक प्रभाव पाया जाता है, जो ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित रखने में मदद करता है।

ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में फायदेमंद

ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने के लिए सफेद मिर्च का सेवन करना बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। क्योंकि सफेद मिर्च में फ्लेवोनोइड्स और विटामिन ए और विटामिन सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है।

पेट की गैस से राहत दिलाने में फायदेमंद

पेट की गैस से राहत पाने के लिए सफेद मिर्च का सेवन करना बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। क्योंकि सफेद मिर्च में पिपेरिन नामक तत्व पाया जाता है, जो गैस को कम करने में मदद करता है। साथ ही ये पेट में हाइड्रोक्लोरिक एसिड (गैस्ट्रिक एसिड) के उत्पादन को उत्तेजित करता है, जिससे पाचन संबंधी विकार को दूर करने में मदद मिलती है।

रामायण बनाकर रामानंद सागर ने सभी रामभक्तों को एक डोर में बांध दिया था...

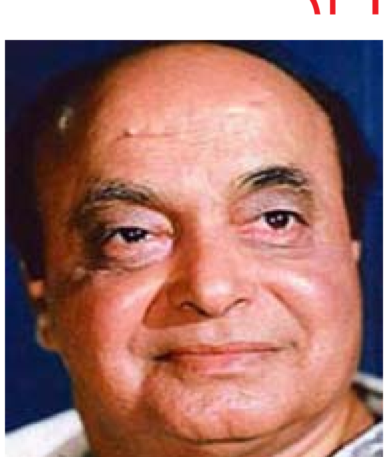

यकीन मानिए महौल कुछ ऐसा होता था कि शो के प्रसारित होने पर सड़कें सुनसान हो जाती थीं। कुछ अनुमानों के अनुसार, आठ में से एक भारतीय ने शो देखा और विज्ञापनदाताओं ने स्लॉट भरने के लिए दौड़ लगा दी। रामानंद सागर की रामायण को उत्तर और दक्षिण भारत दोनों में दर्शकों की संख्या के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। रामानंद सागर की %रामायण% के 78 एपिसोड्स प्रसारित हुए थे और हर एपिसोड 35 मिनट का होता था।

रामानंद सागर (29 दिसंबर 1917-12 दिसंबर 2005) का असली नाम चंद्रमौली चोपड़ा था। मां के निधन के बाद चंद्रमौली को उनके मामा ने गौद ले लिया था जहां उनका नाम रामानंद सागर पड़ गया। मामा ने गौद तो ले लिया था लेकि इसके बावजूद उनका जीवन काफी संघर्ष से भरा रहा।

जैसे ही 1980 के दशक में मध्यवर्गीय भारतीयों के रहने वाले कमरे में टेलीविजन हावी होने लगा, महाकाव्य रामायण पर आधारित एक धारावाहिक राज्य द्वारा संचालित दूरदर्शन चैनल पर प्रसारित किया गया। यह इतना लोकप्रिय हो गया कि जैसे ही शाम के समय यह टीवी पर प्रसारित होता पूरा मोहल्ला टेलीविजन की स्क्रीन के सामने इकट्ठा हो जाता था। लोग काम छोड़ देते थे और शो देखने के लिए समय पर घर पहुंच जाते थे। यकीन मानिए महौल कुछ ऐसा होता था कि शो के प्रसारित होने पर सड़कें सुनसान हो जाती थीं। कुछ अनुमानों के अनुसार, आठ में से एक भारतीय ने शो देखा और विज्ञापनदाताओं ने स्लॉट भरने के लिए दौड़ लगा दी। रामानंद सागर की रामायण को उत्तर और दक्षिण भारत दोनों में दर्शकों की संख्या के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। रामानंद सागर की %रामायण% के 78 एपिसोड्स प्रसारित हुए थे और हर एपिसोड 35 मिनट का होता था। इस सीरियल को पहले एपिसोड से ही दर्शकों का ढेर सारा प्यार मिला। रामानंद सागर अपने आपको रामभक्त कहते थे। कहा जाता है कि लोकप्रिय रामायण का उन्होंने लवकुश कांड काफी लंबे ब्रेक के बाद बनाया था। एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया था कि सीता मां को वन भेजने के श्री राम के निर्णय को वह स्वीकार नहीं पा रहे थे, लेकिन जब उन्होंने रामायण का गहन किया और लगातार लोगों की बढ़ती मांग के बाद उन्होंने रामायण का लवकुश कांड बनाया। आखिर यह इतनी मशहूर और लोकप्रिय कैसे हुई। इसके पीछे हैं राम भक्त रामानंद सागर की सच्ची भक्ति। रामानंद सागर ने बिना कोई काल्पनिक या वैचारिक तत्व को जोड़ा रामायण बनाई। उन्होंने रामायण की कास्ट के लिए खुद चुन-चुन को ऑडिशन लिए और उनमें से हीरे चुने। धारावाहिक के निर्माता रामानंद सागर ने वाल्मीकि की रामायण से प्रेरणा ली। धारावाहिक अक्सर अपने सौंदर्यशास्त्र में मेलोड्रामैटिक और ओवर-द-टॉप था, लेकिन धारावाहिक महाकाव्य ने दर्शकों का ध्यान सप्ताह दर सप्ताह खींचता रहा। रामानंद सागर (29 दिसंबर 1917-12 दिसंबर 2005) का असली नाम चंद्रमौली चोपड़ा था। मां के निधन के बाद चंद्रमौली को उनके मामा ने गौद ले लिया था जहां उनका नाम रामानंद सागर पड़ गया। मामा ने गौद तो ले लिया था लेकि इसके बावजूद उनका जीवन काफी संघर्ष से भरा रहा। रामानंद सागर को पढ़ने लिखने का काफी शौख था। वह बहुत अच्छा लिखते थे। उन्होंने अपनी पढ़ाई को जारी रखने के लिए चपरासी से लेकर साबुन बेचने तक का काम किया। इन छोटे-मोटे कामों से वह जो कमाने उससे अपनी पढ़ाई करते थे। अपनी पढ़ाई पूरा करने के बाद वह एक भारतीय फिल्म निर्देशक बने। वह रामायण टेलीविजन श्रृंखला बनाने के लिए सबसे प्रसिद्ध हैं, जो इसी नाम के प्राचीन भारतीय महाकाव्य का 78-भाग का टीवी रूपांतरण है, जिसमें अरुण गोविल ने भगवान राम और दीपिका चिखलिया ने सीता के रूप में अभिनय किया था। इस टीवी धारावाहिक को तब पूरे देश में व्यापक रूप से देखा और पसंद किया गया था। भारत सरकार ने उन्हें 2000 में पद्म श्री के नागरिक सम्मान से सम्मानित किया।

रामानंद सागर की रामायण का एक एपिसोड इतने रुपये में बनता था, कमाई और लोकप्रियता में था काफी अंतर

जैसे ही 1980 के दशक में मध्यवर्गीय भारतीयों के रहने वाले कमरे में टेलीविजन हावी होने लगा, महाकाव्य रामायण पर आधारित एक धारावाहिक राज्य द्वारा संचालित दूरदर्शन चैनल पर प्रसारित किया गया। यह इतना लोकप्रिय हो गया कि जैसे ही शाम के समय यह टीवी पर प्रसारित होता पूरा मोहल्ला टेलीविजन की स्क्रीन के सामने इकट्ठा हो जाता था।

रामानंद सागर की रामायण ने वाल्मीकि की रामायण से प्रेरणा ली, लेकिन उनकी कल्पना ने उठान भर ली। धारावाहिक अक्सर अपने सौंदर्यशास्त्र में मेलोड्रामैटिक और ओवर-द-टॉप था, लेकिन धारावाहिक महाकाव्य ने दर्शकों का ध्यान सप्ताह दर सप्ताह खींचा। रामानंद सागर की रामायण के 78 एपिसोड्स प्रसारित हुए थे और हर एपिसोड 35 मिनट का होता था। इस सीरियल को पहले एपिसोड से ही दर्शकों का ढेर सारा प्यार मिला। दावा किया जाता है कि रामायण के एक एपिसोड को नौ लाख रुपये में तैयार किया जाता था और इस एक एपिसोड से ही मेकर्स को 40 लाख रुपये की कमाई होती थी। वहीं, पूरी कमाई को जोड़ा जाए तो यह लगभग 30 करोड़ से ज्यादा बैठती थी। जैसे ही 1980 के दशक में मध्यवर्गीय भारतीयों के रहने वाले कमरे में टेलीविजन हावी होने लगा, महाकाव्य रामायण पर आधारित एक धारावाहिक राज्य द्वारा संचालित दूरदर्शन चैनल पर प्रसारित किया गया। यह इतना लोकप्रिय हो गया कि जैसे ही शाम के समय यह टीवी पर प्रसारित होता पूरा मोहल्ला टेलीविजन की स्क्रीन के सामने इकट्ठा हो जाता था। लोग काम छोड़ देते थे और शो देखने के लिए समय पर घर पहुंच जाते थे। यकीन मानिए महौल कुछ ऐसा होता था कि शो के प्रसारित होने पर सड़कें सुनसान हो जाती थीं। कुछ अनुमानों के अनुसार, आठ में से एक भारतीय ने शो देखा, और विज्ञापनदाताओं ने स्लॉट भरने के लिए दौड़ लगा दी। रामानंज सागर की रमायण को उत्तर और दक्षिण भारत दोनों में दर्शकों की संख्या के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। एक नजरिये से देखा जाए तो तमाम तकनीक आने के बाद भी रामानंद सागर जैसी रामायण आज तक दूसरी नहीं बन सकी। आखिर क्या है इसका कारण कि रामानंद सागर जैसी रामायण आज तक क्यों नहीं बनीं? इसका सबसे बड़ा कारण है %सच्चाई%। रामानंद सागर की रामायण मुख्य रूप से वाल्मीकि के रामायण और तुलसीदास के रामचरितमानस पर आधारित है। इसमें उन्होंने किसी भी तरह की कोई काट-छाट नहीं की। राम के सच्चे चरित्र को टीवी पर प्रस्तुत किया।

इसके अलावा रामायण की दूसरी सच्चाई इसकी कास्ट थी। रामायण के पात्र भले ही इस शो के बाद फिल्मों में सफल न रहे हो लेकिन जिस इमानदारी से और सच्चाई से कास्ट ने अभिनय किया था।

अब तक के सबसे अलग लुक में नजर आईं कृति सेनन

फिल्म भेड़िया से वरुण धवन का फर्स्ट लुक सामने आने के बाद फैंस कृति सेनन के लुक को देखने के लिए बेताब थे। उनके इंतजार को खत्म करते हुए एक्ट्रेस का फिल्म से पहला लुक सामने आ चुका है। कृति पहली बार एक ऐसा किरदार निभाएंगी, जिसे छोटे पर्दे की दुनिया में शायद ही अब तक किसी ने प्ले किया हो। अमर कौशिक के निर्देशन में बनी यह फिल्म हॉरर-कॉमेडी होगी, जिसका ट्रेलर 19 अक्टूबर को जारी किया गया था बहरहाल, कृति सेनन को नए लुक में देख फैंस भौचक्के रह गए हैं।

कृति सेनन का फर्स्ट लुक जारी

भेड़िया फिल्म के लिए कृति सेनन का जो लुक सामने आया है, उसमें वह छोटे बाल में नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस शॉर्ट हेयर में काफी अलग दिख रही हैं। साथ ही हाथ में अजीब सी इंजेक्शन लिए कृति जिस तरह की स्माइल दे रही हैं, उसे देखकर लगता है कि वह फिल्म में किसी सीधी साधी लड़की का रोल नहीं प्ले करेंगी। फिल्म में कृति डॉ. अनिका का किरदार निभाती नजर आएंगी। इस रोल में फिट बैठने के लिए उन्होंने फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन और कंप्लीट मेकओवर किया है।

भेड़िया फिल्म से वरुण और कृति के फर्स्ट लुक वेयरवुल्फ यानी कि भेड़ियामानव की कहानी का संकेत देता है। दिनेश विज्ञान फिल्म के प्रोड्यूसर हैं। हॉरर और कॉमेडी से भरपूर यह फिल्म 25 नवंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

टीजर भी आया लोगों को पसंद

पिछले ही महीने फिल्म का टीजर जारी किया गया था, जिसमें हॉरर और दमदार वीएफएक्स का जबरदस्त कॉम्बिनेशन देखने को मिला। एक मिनट के टीजर में जंगली रहस्य छुपा दिखा। रात में जंगलों के बीच वरुण धवन भागते हुए नजर आ रहे हैं, तो दूसरी तरह गांव के कुछ लोग किसी जानवर को जलाते हुए नजर आ रहे हैं। आग में भेड़िया की आकृति बनी नजर आ रही है।

कृति सेनन का फर्स्ट लुक सामने आने के बाद दर्शकों का उन्हें इस फिल्म में देखने का उत्साह और भी ज्यादा बढ़ गया है। ट्विटर पर कृति के लुक को पॉजिटिव रिस्पांस मिले हैं। काफी सारे फैंस को कृति शॉर्ट हेयर में कमाल की लग रही हैं। एक यूजर ने लिखा कि छोटे बालों में कृति बहुत क्यूट लग रही हैं। तो वहीं, मनोज नाम के एक अन्य यूजर ने कृति के लुक को आउटस्टैंडिंग बताया है।

इंटीमेट सीन में ओम पुरी संग बेकाबू हो गई थी ये एक्ट्रेस

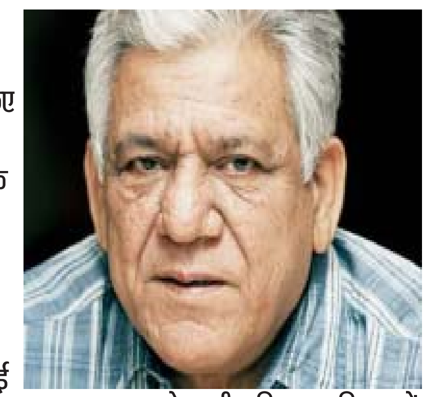

बॉलीवुड के दिग्गज कलाकार ओम पुरी को आज भी उनके दमदार अभिनय के लिए याद किए जाता हैं। भले अब ओम पुरी इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन फैंस के दिलों में वो हमेशा ही जिंदा रहेंगे। आज ओम पुरी की 72वीं बर्थ एनिवर्सरी है। उनका जन्म 18 अक्टूबर, 1950 को अम्बाला में हुआ था। वहीं उन्होंने अपनी पढ़ाई पटियाला से पूरी की थी। एक्टर की लाइफ आसान नहीं थी। यहां तक उन्होंने चाय की दुकान तक में काम किया। वहीं बाद में ओम पुरी एनएसडी से जुड़े और जब फिल्मों में काम करने का मौका मिला तो उन्होंने खुद को साबित करते हुए अपना बड़ा नाम कमाया। करियर के दौरान ओम पुरी ने कई तरह के रोल को पर्दे पर जिया। उन्होंने गंभीर से लेकर, रोमांटिक और एक्शन तक के रोल को फिल्मों में निभाया। लेकिन उनका एक बोल्ड सीन सुर्खियों में रहने के साथ-साथ काफी विवादों में रहा था। ये सीन एक्टर ने बॉलीवुड की सबसे खूबसूरत एक्ट्रेस संग प्ले किया था। वहीं इंटीमेट सीन की शूटिंग के दौरान कुछ ऐसा हुआ था जिसे लेकर अब चर्चा जोरों पर है।

आस्था में ओम पुरी ने पार की थी सारी हदें

एक्टर ओम पुरी ने साल 1997 में रिलीज हुई फिल्म आस्था-इन द प्रिजन ऑफ स्प्रिंग में बॉलीवुड की एवरग्रीन एक्ट्रेस रेखा के संग जबरदस्त बोल्ड सीन दिया था। फिल्म में रेखा ने ओम पुरी की पत्नी का रोल निभाया था। रेखा उन अभिनेत्रियों में से हैं, जो पर्दे पर अपने रोल को नेचुरल बनाने के लिए काफी वर्क करती हैं। वहीं इस इंटीमेट सीन के लिए भी उन्होंने काफी मेहनत की थी। इस मूवी में एक नहीं बल्कि कई बोल्ड सीन्स हैं। रेखा ने ओम पुरी के अलावा एक्टर नवीन निश्चल के साथ भी बोल्ड सीन दिए हैं। फिल्म की शूटिंग के दौरान कुछ ऐसा हुआ था, जिसे याद कर रेखा को भी शर्म आ जाती होंगी।

शूटिंग के दौरान हुए था कुछ ऐसा

दरअसल, रेखा और ओमपुरी को एक कुर्सी पर बैठकर इंटीमेट सीन देना था। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इस सीन को देने के वक्त रेखा इतनी ज्यादा खो गई थी की उन्होंने होश ही नहीं रहा और जिस कुर्सी पर वो सीन कर रहीं थीं वो टूट गई। बता दें कि दोनों कपल का वजन काफी ज्यादा था। इसी वजह से कुर्सी टूट गई थी। ये फिल्म आपको अमेजन प्राइम पर आपको ये फिल्म देखने के लिए मिल जाएगी।

मजा कम और टेंशन ज्यादा लगी मजा मा

डिजिटल प्लेटफॉर्म के लिए भी फिल्में बनाई जा रही हैं। आनंद तिवारी निर्देशित फिल्म मजा मा उन्हीं फिल्मों में से एक हैं। फिल्म की कहानी शुरू होती है अमेरिका में नौकरी करने वाले तेजस पटेल (ऋत्विक भौमिक) से, जो अपनी गर्लफ्रेंड ऐशा (बरखा सिंह) के माता-पिता से मिलने की तैयारी कर रहा है। ऐशा के माता-पिता अमेरिका के अमीर और नामचीन लोगों में से हैं। गुजरात से तेजस की मां पल्लवी (माधुरी दीक्षित) उसे फोन करती है और इस शुभ काम पर जाने से पहले वीडियो कॉल के जरिए दही खिलाने की रस्म पूरी करती है। **बेमजा रही मजा मा-**ऐशा की मां पैम (शीबा चड्ढा) और पिता बॉब (रजित कपूर) तेजस का लाई डिटेक्टर टेस्ट (झूठ पकड़ने के लिए किया जाने वाला टेस्ट) करवाते हैं, ताकि यह पता कर सके कि वह उनकी बेटी से सच्चा प्यार करता है या पैसे और अमेरिका के ग्रीन कार्ड के लिए प्यार का नाटक कर रहा है। तेजस टेस्ट में पास हो जाता है। अब ऐशा का परिवार तेजस के परिवार से मिलने गुजरात आता है। तेजस के पिता मनोहर (गजराज राव) अपनी सोसाइटी का चेयरमैन हैं, तो वहीं पल्लवी सोसाइटी में बहुत प्रसिद्ध है।

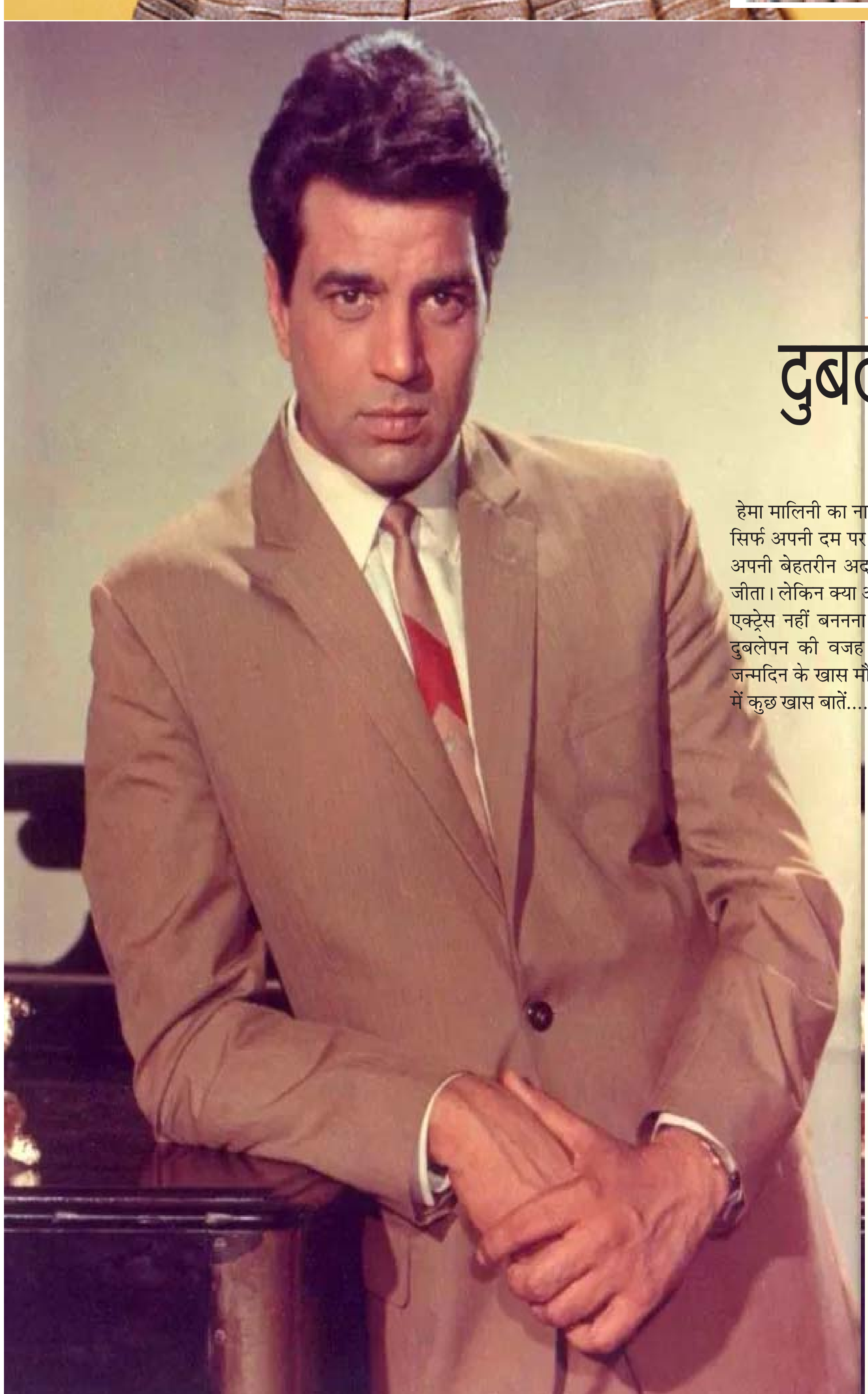

दुबलेपन की वजह से रिजेक्ट हो जाती थीं हेमा

धर्मेंद्र ने फिल्मी स्टाइल में रुकवाई थी शादी

हेमा मालिनी का नाम उन चुनिंदा सितारों में शुमार है, जिन्होंने न सिर्फ अपनी दम पर अपने लिए एक बड़ा मुकाम बनाया, बल्कि अपनी बेहतरीन अदाकारी और खूबसूरती से भी सभी का दिल जीता। लेकिन क्या आप जानते हैं कि हेमा मालिनी एक ओर जहां एक्ट्रेस नहीं बननना चाहती थीं तो दूसरी ओर उनके नाम और दुबलेपन की वजह से उन्हें रिजेक्ट तक कर दिया जाता था। जन्मदिन के खास मौके पर आपको बताते हैं हेमा मालिनी के बारे में कुछ खास बातें....

डायरेक्टर ने किया रिजेक्ट

16 अक्टूबर, 1948 को तमिलनाडु के अम्मानकुडी में हेमा मालिनी का जन्म हुआ था। हेमा मालिनी ने 100 से अधिक फिल्मों में अपने हुनर का जलवा बिखेरा है। लेकिन दिलचस्प बात ये है कि वो कभी एक्ट्रेस बनना ही नहीं चाहती थीं लेकिन मां जयालक्ष्मी के लिए उन्होंने ऐसा किया। हालांकि हेमा के लिए ये आसान नहीं था और नाम से लेकर दुबलेपन की वजह से उन्हें शुरुआती वक्त में रिजेक्ट कर दिया जाता था। हेमा की पहली तमिल फिल्म के वक्त निर्देशक ने कहा था कि हेमा का नाम बदलकर सुजाता रख दिया जाए, वहीं दुबलेपन की वजह से उन्हें फिल्म से भी बाहर कर दिया गया था। जिसके बाद हेमा का किरदार बाद में वेननिरदाई निर्मला को मिला था। लेकिन हेमा ने मां के लिए खुद को तैयार किया और सिनेमाई दुनिया में दम दिखाया। वहीं हेमा की मां ने उन्हें क्लासिकल डांस सिखाने की जिम्मेदारी उठाई। ऐसे में 10वीं तक पढ़ाई के बाद से ज्यादातर समय डांसिंग में ही गुजरा।

सपनो के सौदागर से डेब्यू

हेमा मालिनी ने कई फिल्मों में छोटे छोटे रोल किए, लेकिन उन्हें बड़ी पहचान नहीं मिल पा रही थी। हालांकि हेमा ने कभी हार नहीं मानी और करीब चार साल के स्ट्रगल के बाद उन्हें राज कपूर की फिल्म सपनो के सौदागर मिली। ये हेमा की बॉलीवुड डेब्यू फिल्म थी। हेमा ने इसके बाद कई फिल्मों में काम किया और कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। वहीं फिल्म सीता और गीता से हेमा मालिनी स्टार्स की गिनती में आ गईं। इसके बाद 1975 में रिलीज हुई शोले ने तो इतिहास रच दिया और हेमा मालिनी सुपरस्टार कहलाने लगीं। बसंती बनीं हेमा आज भी उनके इस किरदार के लिए याद की जाती हैं।

धर्मेंद्र और हेमा मालिनी

हेमा मालिनी को जितेन्द्र कपूर और संजीव कुमार ने शादी के लिए प्रपोज किया था। वहीं हेमा के परिजन भी चाहते थे कि हेमा की जितेंद्र से शादी हो जाए लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। दरअसल हेमा का कहना था कि वो शादी उससे ही करेंगी जिससे प्यार करेंगी और उन्हें न तो जितेंद्र और न ही संजीव से प्यार था। हालांकि परिवार के चलते हेमा, जितेंद्र से शादी के लिए मान गईं। सारी तैयारी हो चुकी थीं, लेकिन धर्मेंद्र ने फिल्मी स्टाइल में आकर शादी रुकवा दी। जिसके बाद हेमा ने भी कबूल किया कि उन्हें धर्मेंद्र से प्यार है। हालांकि धर्मेंद्र पहले से ही शादीशुदा था। ऐसे में धर्मेंद्र ने इस्लाम कबूल किया और शादी कर ली।

कैसे हुई थी हेमा- धर्मेंद्र की मुलाकात

आप भी जरूर ये सोच रहे होंगे कि कैसे अचानक से हेमा की जिंदगी में धर्मेंद्र आ गए तो हम आपको उनकी पहली मुलाकात के बारे में बताते हैं। दरअसल धर्मेंद्र और हेमा की मुलाकात एक फिल्म के प्रीमियर पर हुई थी। कहा जाता है कि हेमा ने पहली नजर में ही धर्मेंद्र को दिल दे किया था। वहीं दूसरी ओर धर्मेंद्र के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ था। जब धर्मेंद्र और हेमा ने साथ में फिल्में करना शुरू कीं तो दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ गईं। कहा तो ये भी जाता है कि धर्मेंद्र शूटिंग के दौरान कैमरापर्सन को लंबा सीन और रीटेक्स लेने के लिए पैसे देते थे ताकि वो हेमा के साथ ज्यादा वक्त बिता सकें।

विवादों से भी रहा है नाता

गौरतलब है कि हेमा ने एक ओर जहां सिनेमा में जलवा बिखेरा तो दूसरी ओर राजनीति में भी दम दिखाया। हेमा, 2004 में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुईं थीं और फिर राज्यसभा सदस्य बनीं। वहीं हेमा दो बार (2014 और 2019 में मथुरा)सांसद भी रहीं। हेमा कई बारविवादों में भी रही हैं, चाहें उनको लेकर धर्मेंद्र और जितेंद्र की कथित लड़ाई रही हो या फिर उनके बेबाक बयान। वहीं मथुरा में अतिक्रमणकारियों और पुलिस की झड़प के बीच हेमा को अपनी तस्वीर ट्वीट करना भी भारी पड़ गया था।

डबल झटका सिसोदिया को नहीं मिली जमानत

दिल्ली शराब घोटाला केस में मनीष सिसोदिया को डबल झटका मिला है। उन्हें जमानत नहीं मिली हैं। कोर्ट ने 7 दिन की श्वष्ठ हिरासत में भेजा हैं। इसके अलावा दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले में सजा काट रहे आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया को आज कोर्ट से जमानत नहीं मिली, मामले की अगली सुनवाई 21 मार्च को होगी।

औरंगाबाद का नाम बदलने पर संग्राम

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के नेता इम्तियाज जलील ने औरंगाबाद का नाम बदलकर छत्रपति संभाजीनगर करने के एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली महाराष्ट्र सरकार के कदम पर जनमत संग्रह कराने की मांग की है। जलील ने कहा कि नाम परिवर्तन पर निर्णय केवल यहां के लोग ही ले सकते हैं, दिल्ली या मुंबई में बैठा कोई नेता नहीं। केंद्र सरकार ने औरंगाबाद शहर का नाम बदलकर संभाजीनगर करने और उस्मानाबाद शहर का नाम धाराशिव करने की पिछले महीने मंजूरी दी थी।

अतीक के भाई की बढ़ीं मुश्किलें, पुलिस ने जेल में लगाई पाबंदी

अतीक के साथ रिश्ता रखने वाले बदमाशों की भी मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं. खबर है कि अब बरेली जिला जेल में बंद अतीक अहमद के भाई को जेल के अंदर किसी से भी मिलने की इजाजत नहीं है. जिला जेल प्रशासन ने अशरफ के किसी से भी मिलने पर रोक लगा दी है. जेल अधीक्षक राजीव शुक्ला के मुताबिक इस रोक को अशरफ की सुरक्षा के चलते गया है. आपको बता दें कि दो दिन पहले अशरफ को वीवीआइपी ट्रीटमेन्ट देने वाले बंदीरक्षक शिवहरि और दयाराम को गिरफ्तार किया गया था. ये जेल में अशरफ को मोबाइल मुहैया कराते थे जिससे जेल की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो गए थे. बरेली पुलिस के रडार पर अभी कई और आदमी है जिनके ऊपर बड़ी कार्रवाई जल्द की जाएगी.प्रयागराज में हुए उमेश पाल हत्याकांड मामले में अतीक अहमद का नाम सामने आने के बाद इसका कनेक्शन बरेली की जेल से भी जोड़ा जा रहा है. सूत्रों की मानें तो बरेली की जेल में बंद अतीक अहमद का भाई भी हत्या की प्लानिंग में शामिल था. गौरतलब है कि अशरफ को जेल में वीवीआईपी सुविधा पहुंचाने के लिए दो बंदी रक्षकों को भी गिरफ्तार किया गया है. दूसरे एफआईआर में सद्दाम के नाम का जिक्र किया गया है. आपको बता दें कि सद्दाम, अतीक अहमद के भाई अशरफ का साला है.सद्दाम ने बरेली में ही फर्जी नाम के सहारे एक मकान किराए पर लिया था. जब पुलिस इसके तह तक पहुंचने की कोशिश कर रही थी तब उन्होंने उस मकान के इलाके में पूछताछ की लेकिन कोई भी कुछ कहने को तैयार नहीं है. आपको बता दें कि 24 फरवरी को प्रयागराज में उमेश पाल हत्याकांड को कुछ शूटर्स ने मिलकर अंजाम दिया था जिसमें माफिया अतीक अहमद का भी नाम सामने आया है. गौरतलब है कि उमेश पाल राजू हत्याकांड मामले में मुख्य गवाह था.

जमीन से निकला खजाना, खुदाई के लिए लगानी पड़ी पुलिस

जालौन से एक चौंका देने वाली खबर सामने आई है. प्रधानमंत्री आवास योजना के तत्वाधान में मकान निर्माण के दौरान भारी मात्रा में चांदी के सिक्के बरामद हुए हैं. गौर करने वाली बात यह है कि ये चांदी के सिक्के करीब-करीब 150 साल पुराने हैं. मौके से अबतक 250 चांदी के सिक्के और चांदी के कड़े भी मिले हैं. मामले की गंभीरता को देखते हुए मौके पर पुलिसबल तैनात कर दिया गया है.

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत इस मकान का निर्माण जालौन के व्यासपुरा गांव में चल रहा है. किसान कमलेश कुशवाहा ने बताया कि पीएम आवास योजना की राशि मिलने के बाद वे मकान का निर्माण करा रहे थे. इस बीच 10 मार्च को मकान की बुनियाद की खुदाई के दौरान मजदूरों को चांदी के सिक्के मिले.

देखते ही देखते ये खबर आग की तरह फैल गई. जिसके तुरंत बाद प्रशासन ने घटना का संज्ञान लिया. खुदाई का जिम्मा प्रशासन ने अपने हाथ ले लिया. रिपोर्ट्स के मुताबिक ये चांदी के सिक्के साल 1861 के हैं और इनका इस्तेमाल भी किया जाता था.

आवारा सांड ने अलीगढ़ में 4 साल के बच्चे को रौंद डाला, घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

उत्तर प्रदेश। अलीगढ़ में आवारा सांड ने 4 साल के बच्चे को रौंद डाला। पीड़िता की हालत गंभीर है और अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। अलीगढ़ में एक आवारा सांड ने 4 साल की बच्ची को कुचल दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना थाना गांधी पार्क क्षेत्र के धनीपुर मंडी की है।घटना के बाद मौके पर पहुंची नगर निगम की टीम आवारा सांड को पकड़ने का प्रयास कर रही है। इस मामले से इलाके में दहशत का माहौल है क्योंकि कई आवारा सांड खुलेआम घूमते रहते हैं। पीड़िता की हालत गंभीर है और अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है।

जिस जापानी लड़की के साथ हुई थी अश्लील हरकतें, कहां गई वो ?

सोशल मीडिया पर होली खत्म के बाद ऐसे कई वीडियो वायरल हुए जिनमें महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार की खबरें सामने आई. ऐसा ही एक वीडियो पिछले कई दिनों से वायरल हो रहा है जिसमें एक जापानी महिला के साथ कुछ नाबालिग लड़के रंग लगाने के बहाने गंदी हरकतें करते हुए देखे गए. वीडियो के पब्लिक में आने के बाद इसकी बहुत आलोचना की गई. खबर है कि जापानी महिला से साथ छेड़खानी और मारपीट के मामले में तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है जिनमें एक किशोर भी शामिल है और ये दिल्ली के पहाड़गंज इलाके से ही ताल्लुक रखते हैं.दिल्ली पुलिस ने कहा कि महिला ने अब तक किसी तरह की शिकायत दर्ज नहीं कराई है और वह कल बांग्लादेश के लिए रवाना हो गई. पुलिस ने अपने एक बयान में कहा कि महिला ने ट्वीट किया है कि वह बांग्लादेश पहुंच गई है और मानसिक-शारीरिक रूप से स्वस्थ है. इससे जुड़ी घटना का वीडियो वायरल होने के बाद लोगों में आक्रोश फैल गया है और कड़ी कार्रवाई की मांग की जा रही है. अधिकारियों ने कहा कि स्थानीय खुफिया एजेंसियों के जरिए आरोपियों की पहचान की गई और जांच जारी है.Japanese Gir Molestation: होली पर लोगों ने जापानी लड़की के साथ की अश्लील हरकतें, वीडियो वायरल

होली के दिन के इस वीडियो में 'होली है' के नारों के बीच कुछ लड़के एक जापानी महिला को जबरदस्ती रंग लगाते दिखाई दे रहे हैं. इस दौरान उस पर जबरदस्ती रंग लगाने के साथ लड़कों ने कई गंदी हरकतें भी कीं. वायरल वीडियो में एक लड़का महिला के सिर पर अंडा फोड़ते हुए नजर आ रहा है. वह लोगों से बचकर दूर जाती है, इस बीच एक और लड़का उसे पकड़ने की कोशिश करता है लेकिन विदेशी महिला उसे थप्पड़ मारती है. इन सबके अंत तक महिला पूरी तरह से भीग चुकी थी और लगभग पहचान में नहीं आ रही थी.

347 साल का गौरव है देहरादून का झंडा मेला, जहां ठंडी नहीं पड़ी चूल्हे की आंच

देहरादून। हर वर्ष होली के पांचवें दिन देहरादून में झंडा मेला आयोजित किया जाता है। देहरादून का झंडा मेला 347 साल का गौरव है। इस वर्ष ये मेला 12 मार्च से शुरू होने जा रहा है। इस मेले में देश-विदेश से श्रद्धालु पहुंचते हैं। आइए जानते हैं इसका इतिहास...

सिखों के सातवें गुरु हरराय महाराज के बड़े पुत्र गुरु रामराय महाराज ने वर्ष 1675 में चैत्र मास कृष्ण पक्ष की पंचमी के दिन देहरादून में पदार्पण किया था। इसके ठीक एक वर्ष बाद 1676 में इसी दिन उनके सम्मान में उत्सव मनाया जाने लगा और यहीं से झंडेजी मेले की शुरूआत हुई। और यह मेला दूनघाटी का वार्षिक समारोह बन गया।

तब देहरादून छोटा-सा गांव हुआ करता था। यहां मेले में देशभर से श्रद्धालु पहुंचते थे, और इतने लोगों के लिए भोजन का इंतजाम करना आसान नहीं था। तब श्री गुरु रामराय महाराज ने दरबार में सांझा चूल्हे की स्थापना की। उन?होंने ऐसा इसलिए किया ताकी दरबार साहिब में कदम रखने वाला कोई भी व्यक्ति भूखा न लौटे।

दर्शनी गिलाफ से सजते हैं झंडेजी

मेले में झंडेजी पर गिलाफ चढ़ाने की परंपरा है।

चैत्र में कृष्ण पक्ष की पंचमी के दिन पूजा-अर्चना के बाद पुराने झंडेजी को उतारा जाता है और ध्वजदंड में बंधे पुराने गिलाफ, दुपट्टे आदि को हटाया जाता है।

सेवक दही, घी व गंगाजल से ध्वज दंड को स्नान कराते हैं।

इसके बाद झंडेजी को गिलाफ चढ़ाने की प्रक्रिया शुरू होती है।

झंडेजी पर पहले सादे (मारकीन के) और फिर सनील के गिलाफ चढ़ाए जाते हैं।

सबसे ऊपर दर्शनी गिलाफ चढ़ाया जाता है।

पवित्र जल छिड़कने के बाद श्रद्धालु रंगीन रुमाल, दुपट्टे आदि बांधते हैं।

दरबार साहिब में अब तक के महंत

महंत औददास (1687-1741)
महंत हरप्रसाद (1741-1766)
महंत हरसेवक (1766-1818)
महंत स्वरूपदास (1818-1842)
महंत प्रीतमदास (1842-1854)
महंत नारायणदास (1854-1885)
महंत प्रयागदास (1885-1896)
महंत लक्ष्मणदास (1896-1945)
महंत इंदिरेश चरण दास (1945-2000)
महंत देवेंद्रदास (25 जून 2000 से गद्दीनसीन)

गुरु रामराय महाराज में बचपन से ही थीं अलौकिक शक्तियां

पंजाब में जन्मे गुरु रामराय महाराज में बचपन से ही अलौकिक शक्तियां थीं। उन्होंने कम उम्र में ही असीम ज्ञान अर्जित कर लिया था। उन्हें मुगल बादशाह औरंगजेब ने हिंदू पीर यानी महाराज की उपाधि दी थी।

गुरु रामराय महाराज ने छोटी उम्र में वैराग्य धारण किया और संगतों के साथ भ्रमण पर निकल पड़े। भ्रमण के समय ही वह देहरादून पहुंचे।

बताते हैं कि यहां खुड़बुड़ा के पास गुरु रामराय महाराज के घोड़े का पैर जमीन में धंस गया। तब उन्होंने संगत को यहीं पर रुकने का आदेश दिया। उस समय औरंगजेब ने गढ़वाल के राजा फतेह शाह को गुरु रामराय महाराज का ख्याल रखने का आदेश दिया था।

तब गुरु रामराय महाराज जी ने चारों दिशाओं में तीर चलाए और जहां तक तीर गए, उतनी जमीन पर अपनी संगत को ठहरने का हुक्म दे दिया। गुरु रामराय महाराज के यहां डेरा डालाने के कारण इसे डेरादून कहा जाने लगा, जो बाद में डेरादून से देहरादून हो गया।

चूल्हे की आंच ठंडी नहीं पड़ी

धीरे-धीरे झंडेजी की ख्याति दुनियाभर में फैलने लगी। हर दिन झंडेजी के दर्शनों को भीड़ पहुंचने लगी और श्रद्धालुओं के खाने की व्यवस्था के लिए दरबार साहिब के आंगन में सांझा चूल्हा चलाया गया। आज भी यहां हर दिन हजारों लोग एक ही छत के नीचे भोजन ग्रहण करते हैं।

गुवाहाटी: रेलवे स्टेशन में अब ट्रांसजेंडर बेचेंगे चाय, खुला देश का पहला ट्रांस टी स्टाल

भारतीय रेलवे ने असम के गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर चाय का ऐसा स्टॉल खोला है, जिसका संचालन और प्रबंधन पूरी तरह से ट्रांसजेंडर समुदाय के सदस्य करते हैं। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनईएफआर) के प्रवक्ता सब्यसाची डे ने कहा कि 'ट्रांस टी स्टॉल' खोलने का विचार एनईएफआर का है और इस पहल को लागू भी इसी ने किया है।

उन्होंने कहा कि इस पहल के लिए एनईएफआर ने ऑल असम ट्रांसजेंडर एसोसिएशन का सहयोग लिया है। गुवाहाटी रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या एक पर मौजूद 'ट्रांस टी स्टॉल' का उद्घाटन पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के महाप्रबंधक अंशुल गुप्ता ने शुक्रवार को किया। गुप्ता ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि यह देश में किसी भी सरकारी संगठन की इस तरह की पहली पहल है।

उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे की योजना क्षेत्र के अन्य स्टेशनों पर इस तरह के और चाय के स्टॉल खोलने की है। असम ट्रांसजेंडर वेलफेयर बोर्ड की एसोसिएट उपाध्यक्ष स्वाति बिधान बरूआ ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि आने वाले दिनों में सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत और ट्रांसजेंडर लोगों का पुनर्वास किया जाएगा।

यहां है दूसरों को गाली देने की अनूठी परंपरा, ठिठोली ऐसी कि हंसी नहीं रोक पाते लोग

नैनीताल कुमाऊं में होली का खुमार सिर चढ़ कर बोल रहा है। होली में हंसी ठिठोली के साथ एक दूसरे को चिढ़ाने की भी स्वस्थ परंपरा है। काली कुमाऊं में तो चीर बंधन या होलिका स्थापना पर धार या चोटी से नीचे के समीप के गांव को सामूहिक रूप से गाली देने की भी परंपरा है।

आधुनिकता के इस दौर में भी होल्यार चीर बंधन, होलिका स्थापना के दिन व होलिका दहन की रात को सामने के गांव वालों को गाली देकर परंपरा निभाते हैं। इसी दौरान होलिका दहन पर वेदांती होली गायन भी किया जाता है।

हंसी ठिठोली के अंदाज में देते हैं गाली

बताया जाता है कि चंदराजा के समय से ही यह परंपरा है, जो आज भी जारी है। होल्यार या ग्रामीण सामने के गांव को हंसी ठिठोली के अंदाज में इस तरह गाली देते हैं कि उन्हें न बुरा लगे और वह हंसी भी रोक नहीं पाएं।

प्रसिद्ध समाजशास्त्री प्रो. भगवान सिंह बिष्ट के अनुसार, यह परंपरा काली कुमाऊं या चंपावत जिले में ही है। काली कुमाऊं ही होली की संस्कृति का मूल केंद्र है। स्थान विशेष की विशेषताएं अलग-अलग होती हैं, उसकी अभिव्यक्ति भी भिन्न भिन्न रूप में होती है।

बुराई के परिप्रेक्ष्य में नहीं, यह हास्य विनोद के पुट का उदाहरण है। यह बुरे भाव के साथ नहीं, बल्कि परिस्थितिवश शुरू परंपरा होगी, जो आज भी जारी है। उपले की राख का लगाते हैं टीका होली में होलिका की स्थापना गांव के समीप धार में या चोटी में चीड़ के पेड़ से विधि विधान से किया जाता है।

अक्षत-फूल के साथ ही चढ़ाई जाती है भेंट

चीड़ के पेड़ को इस तरह लाया जाता है कि उसका ऊपरी या निचला सिरा एक साथ धरती को स्पर्श न करे। होलिका स्वरूप पेड़ को गड्ढा बनाकर स्थापित किया जाता है और उसके चारों ओर उपले रखे जाते हैं।अक्षत-फूल के साथ ही भेंट चढ़ाई जाती है। छलड़ी पर रात को पूजा-अर्चना के बाद ही होलिका दहन होता है और टीका पर सुबह उपले की राख को तेल में भिगोकर टीका लगाया जाता है।

अनूठी परंपरा के साथ मनाया जाता है रंगों का त्योहार, खेली जाती है मरी और जिंदा होली

देहरादून। उतराखंड के कुमाऊं की खड़ी और बैठकी होली के बारे में तो सब जानते हैं, लेकिन उत्तराखंड की ही एक जनजाति ऐसी भी जहां की होली अपने आप में अनूठी होती है। यहां दो हिस्सों में होली खेली जाती है। जी हां, हम बात कर रहे हैं ऊधमसिंहनगर जिले के खटीमा में थारू जनजाति की होली के बारे में।यहां थारू समाज के लोग जिंदा होली और मरी होली खेलते हैं। होलिका दहन से पहले जिंदा होली खेली जाती है और और होलिका दहन के बाद मरी होली खेली जाती है।

कैसे मनाते हैं जिंदा होली?

जिस दिन से कुमाऊं की खड़ी होली की शुरुआत है उसी दिन से थारू समाज में जिंदा होली की शुरुआत होती है। इसे खिचड़ी होली कहते हैं। थारू समाज की इस होली में ढोल नगाड़ों के साथ पुरुष और महिलाएं भी घर-घर जाकर होली के गीत गाती हैं और नाचते हैं। होलिका दहन तक यह होली मनाई जाती है।

कैसे मनाते हैं मरी होली?

होलिका दहन के बाद मरी होली मनाई जाती है। स?थानीय लोगों के अनुसार ऐसी मान्यता है जिन गांवों में आपदा या बीमारियों से मौत हो जाती थी उस गांव के लोग होली का त्योहार होलिका दहन के बाद मनाते हैं। पूर्वजों के दौर से चली आ रही इस परंपरा को आज भी थारू समाज के लोग मानते आ रहे हैं।

इन गांव में होती है जिंदा-मरी होली

भूड़, सुजिया महोलिया, उमरुखुर्द, नंदन्ना, गोसीकुआ भुडिया, कुटरी, बिगराबाग, गोहरपटिया, कुटरा, आलावृद्धि, छिनकी, श्रीपुर बिछ्वा, बनकटिया, उइन, बिरिया मझोला, दियां, चांदपुर, देवरी, सबोरा, रतनपुर, फुलैया, सड़ासडिया, झनकट आदि गांव में जिंदा होली खेली जाती है जबकि जादोपुर, बानूसी, चांदा, सैजना, चंदेली, गुरुखुडा, कुमराह, तिगरी, उल्धन।

गाजियाबाद से गांव होली मनाने निकले दंपती का खेत में मिला शव, जांच में जुटी पुलिस

गाजियाबाद/मुरादनगर, जागरण संवाददाता।8 मार्च को संदिग्ध परिस्थिति में लापता हुए दंपती का शव बुलंदशहर के बीबीनगर थाना क्षेत्र स्थित चित्तौड़ा पुल के पास शनिवार को बरामद हुआ है। पति रनपाल का शव पेड़ से लटका हुआ था तो वहीं पत्नी पास में ही खेत में पड़ी मिली है। पुलिस को शवों के पास से बाइक भी बरामद हुई है।पुलिस ने छानबीन के बाद शव को पोस्टमार्टम को भेज दिया। सूचना मिलते ही पुलिस के आला अधिकारी मौके पर जुट गए। बुलंदशहर जिले के बीबीनगर थाना क्षेत्र स्थित तिबड़ा गांव निवासी रनपाल सिंह आर्मी से हवलदार पद से रिटायर हैं। इसके बाद वह आयकर विभाग के आईटीओ स्थित कार्यालय में नौकरी कर रहे थे। वह अपनी पत्नी रेखा, 20 वर्षीय बेटी महिका, 16 वर्षीय बेटे दिशांत के साथ गाजियाबाद के वैशाली स्थित सेक्टर चार, मकान नंबर तीन, शिप्रा टावरमें रहते थे, जहां से वह 8 मार्च को होली के दिन वह अपनी पत्नी रेखा के साथ टीवीएस बाइक से गांव के लिए निकले थे।

झोपड़ी में आग लगने से पांच की मौत, जांच जुटी पुलिस

बीपीएस न्यूज

कानपुर देहात। रूरा थाना क्षेत्र के हारामऊ के बंजारा डेरा में झोपड़ी में आग लगने से दंपती समेत पांच की जिंदा जलकर मौत हो गई। अग्निकांड में जान गंवाने वाले सतीश की पत्नी काजल को प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत आवास दिया गया था। किस्त जारी होने के बाद परिवार झोपड़ी के आगे की तरफ ही आवास का निर्माण करा रहा था और दीवार बनकर खड़ी हो गई थी।हांलाकि छत ढाली जाना बकाया था। ऐसे में परिवार आवास अधूरा होने की वजह से पीछे की तरफ झोपड़ी बनाकर रहता था। शनिवार देर रात शार्ट सर्किट के चलते फूस की झोपड़ी में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और परिवार को बाहर तक निकलने का मौका नहीं मिल सका। जिससे दंपति व तीन मासूम बच्चों की जिंदा जलकर मौत हो गई। लोगों में चर्चा रही कि अगर आवास पूरा हो गया होता तो शायद पांच की जान बच सकती थी। रूरा थाना क्षेत्र के बंजारा डेरा गांव में आग से दंपति व तीन बच्चों की जिंदा जलकर मौत के बाद रविवार को प्रदेश के इलेक्ट्रानिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री अजीत सिंह पाल मौके पर पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवार से मिलकर घटना पर दुख जताया। राज्यमंत्री ने कहा कि पीड़ित परिवार को प्रदेश सरकार की ओर तत्काल व्यवस्था के तहत पांच हजार रुपये दिए जाने की व्यवस्था है, लेकिन डीएम ने रविवार को अवकाश होने के कारण चेक पर दस्तखत न होने की बात कही है। फिर वह फौरी राहत की व्यवस्था कर रही हैं। पीड़ित परिवार को हर संभव मदद दी जाएगी।

कांग्रेस प्रांतीय अध्यक्ष ने पीड़ित परिवार को नौकरी व मुआवजे की मांग

हारामऊ के बंजारा डेरा में पांच लोगों के जिंदा जलने की घटना पर कांग्रेस के प्रांतीय अध्यक्ष अनिल यादव व जिलाध्यक्ष नरेश कटियार कार्यकर्ताओं के साथ गांव पहुंचे। उन्होंने परिवार के सदस्यों से जानकारी ली और घटना पर गहरा दुख जताया। प्रांतीय अध्यक्ष ने कहा कि पीड़ित परिवार ने किसी भी रंजिश से इंकार किया है। वहीं दर्दनाक घटना में झुलसी परिवार की महिला व बुजुर्ग माता-पिता को देखते हुए उन्होंने मुआवजा दिए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर पार्टी की ओर से भी परिवार को हर संभव मदद दी जाएगी।

गंगा मेला के बाद मौसम में बदलाव के आसार, बारिश की संभावना

बीपीएस न्यूज कानपुर। शहर में गंगा मेला के बाद 14 से 16 मार्च के बीच मौसम में बदलाव के आसार हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार चक्रवाती हवाओं और पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के चलते पूरे देश में यह बदलाव देखा जा सकता है। कहीं हल्की बारिश तो कहीं तेज हवा के साथ ओले भीड़ सकते हैं। इन तीन दिनों में अधिकतम व न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की कमी आ सकती है। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के मौसम विभाग प्रमुख डॉ. एसएन पांडेय के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में ओले पड़ने की संभावना है। ऐसे में गेहूं की फसल, जिसमें बालियां पूरी तरह से आ चुकी हैं, उन्हें नुकसान हो सकता है।

डॉ. पांडेय ने बताया कि अगले 48 घंटे बाद से मरुस्थलीय क्षेत्रों से आने वाली शुष्क हवाएं चलना बंद हो जाएंगी। उत्तर की ओर से नम हवाओं का आना शुरू हो जाएगा। ऐसे में बादलों के बीच 14 मार्च से ही मौसम बदलना शुरू हो सकता है, जो तीन दिनों तक चलेगा।

डीएम ने अटल विद्यालय का निरीक्षण कर दिए निर्देश

बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी विशाख जी ने बिल्हौर तहसील के रामपुर नरूवा ग्राम में बनाए जा रहे अटल आवासीय विद्यालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा अटल आवासीय विद्यालय के अकादमिक भवन, टाइप-1,2,3 आवासीय भवन, महिला छात्रावास, पुरूष छात्रावास एवं निदेशक/प्रधानाचार्य आवास के निर्माणाधीन भवनों की प्रगति की समीक्षा की गई। अटल आवासीय विद्यालय 1000 बच्चों की क्षमता वाले 28 कक्षाओं एवं भौतिकी, रसायन, जीव विज्ञान, कम्प्यूटर एवं कौशल विकास की लैब से युक्त बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु स्मार्ट क्लासेस एवं एक्स्ट्रा करिकुलर लैब्स से युक्त निःशुल्क आवासीय विद्यालय होंगे, जहां पर परामर्श और कैरियर मार्गदर्शन सत्र के साथ-साथ खेल-कूद की उत्कृष्ट व्यवस्था होगी।निर्माणाधीन अटल आवासीय विद्यालय के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थित संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधियों को विद्यालय से जी.टी. रोड तक बसों का आवागमन न होने के कारण अपर श्रमायुक्त परिवहन विभाग के संबंधित अधिकारी को प्रस्ताव प्रेषित कराना सुनिश्चित करें, ताकि शैक्षणिक सत्र आरंभ होने से पूर्व बसों का संचालन कराया जा सके। अधिशासी अभियंता, लोक निर्माण विभाग यह सुनिश्चित करें कि विद्यालय में कार्यदायी संस्था द्वारा कराए जा रहे कार्यों की लगातार निगरानी की जाए, ताकि अभियांत्रिकी से संबंधित समस्याओं का समयानुसार निराकरण किया जा सके।

निजी पैथालाजी के कर्मचारी को हैलट अस्पताल में गार्डों ने दौड़ा कर पकड़ा

बीपीएस न्यूज

कानपुर। हैलट अस्पताल में भर्ती मरीज का सैम्पल लेने गए निजी पैथालाजी पालीवाल के एक प्रतिनिधिनी को जब सुरक्ष्द्धा गार्डो ने रोकना चाहा तो वह भागने लगां गाडो ने इसकी सूचना ईएमओ डा0 अशीष श्रीवास्तव को दी जिस पर उन्होंने स्वंय गार्डो के साथ पहुंच कर उसे दौड़ा कर पकडा और मामले की जानकारी से प्राचार्य डा0 संजय काला को अगवत कराया तथा उसके बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया।

ईएमओ डॉ. अशीष श्रीवास्तव ने बताया कि वार्ड नम्बर-7 में पालीवाल पैथालाजी का एक सैम्पल निकालने वाला कर्मचारी वार्ड में सैम्पल लेने और मरीज को रिर्पोट देने गया।

गार्डो को जब सूचना लगी तो उन्होंने उसे रोकने का प्रयास किया,लेकिन वह भागने लगा जिस पर सुरक्षा गार्डो ने मामले की जानकारी इमरजेंसी के ईएमओ को दी। ईएमओ गार्डो को लेकर पहुंचे और गार्डो ने उसे दौडा कर पीएमएसएसवाई बिल्डिंग के दरवाजे के पास पकड लिया। पकडे गए कर्मचारी ने अपना नाम वरूण मण्डल बताया है लेकिन सही नाम की जानकारी पर संदेह बना हुआ है। वहीं गार्डो द्वारा कर्मचारी के पकडे जाने के बाद वहीं एक दो जेआर जिसमें एक डा0 युनस है उसे छुडाने के लिए डा0 अशीष श्रीवास्तव से पैरवी करने लगे जिस पर उन्होंने इसकी सूचना प्राचार्य डा0 संजय काला देते हुए प्राचार्य से जेआर की बात फोन के द्वारा करवा दी। प्राचार्य से बात होने के बाद वह जेआर भी मौके से निकल गए। प्राचार्य ने जानकारी मिलते ही तुरंत ही उप प्राचार्य डा0 रिचा गिरी को मौके पर भेजा।

बी पी एस न्यूज
हिन्दी साप्ताहिक
मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2021-2023, सम्पादक बुद्ध प्रकाश साहू व्हाट्सअप 9335908846 मो.: 8423454502 email:bps.knp786@gmail.com info@bpsnews.in www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी।